मैं भारत हूँ

भारतीय सांस्कृतिक, सामाजिक, राजनैतिक, ऐतिहासिक भावना को प्रेरित करती पत्रिका

वर्ष-१६, अंक-०१ अप्रैल २०२६ मुम्बई सम्पादक-बिजय कुमार जैन पृष्ठ ३६ मूल्य १००.०० रूपए

जालना
महाराष्ट्र

जाम्ब समर्थ

गुरु गणेश तपोधाम

मत्स्योदरी देवी मंदिर

राजूर गणपति मंदिर

मम्मा देवी मंदिर

तपोधाम गौशाला

मोती बाग (संभाजी उद्यान)

मस्तगढ़ किला

'जालना' के इतिहास प्रकाशन पर हार्दिक शुभकामनाएं

Narendra Pahade

Mob: 9422216994

Shri Shantinath Steels
Re Rolling Mill

Plot no A-8, Add Midc Phase-1, Jalna, Maharashtra, Bharat- 431203

मैं भारत हूँ फाउंडेशन
भारत को 'भारत' ही बोला जाए
www.mainbharathun.co.in

पत्रिका द्वारा होने वाली आय भारतीय भाषायी संस्कृति संवर्धन व हिंदी बनें राष्ट्रभाषा अभियान की सफलता पर खर्च किया जा रहा है

जरूर देखें : http://www.mainbharathun.co.in

भारत को केवल 'भारत' ही बोला जाए INDIA नहीं

पधारो म्हारे देश
पहले मातृभाषा फिर राष्ट्रभाषा
मेरा राजस्थान
सम्पादक : बिजय कुमार जैन
राजस्थानियों के विचारों के साथ समस्त राजस्थान समाज को एकजुट करने वाली एकमात्र पत्रिका
मैं भारत हूँ फाउंडेशन
भारत को 'भारत' ही बोला जाए
राजस्थान का इतिहास पहुँचाए आपके हाथ
मात्र रु. १००/- में, प्रति महिना
भरतपुर कोटा जोधपुर जैसलमेर बीकानेर चूरू
राजस्थान की राजधानी जयपुर
लक्ष्मणगढ़ नागौर कुचामन झुंझुनूं पाली फतेहपुर
डीडवाना रामगढ़ नवलगढ़ चिड़ावा सिरोही सरदारशहर सीकर रतनगढ़ लाडनूं जसवंतगढ़ बिसाऊ केड
सुजानगढ़ ब्यावर बिदासर छोटीखाटु तालछापर सांभर अजमेर राजलदेसर गंगाशहर नोखा देशनोक कालू
रतननगर चित्तौड़गढ़ मण्डावा मंड्रेला नोहर मेवाड़ दाँता-रामगढ़ सादड़ी खुडाला आमेट पड़िहारा
रींछेड़ अलसीसर श्रीमाधोपुर डूण्डलोद बगड़ लोसल मुकुंदगढ़ शिशोदा राजसमंद राजनगर देवगढ़ सांडेराव
खिमेल पिलानी औद्योगिक नगरी रानी स्टेशन सिंघाना बिकानेर का श्रीडूंगरगढ़ बालोतरा नापासर मारवाड़ मूण्डवा महनसर उदासर लूनकरनसर उदयरामसर चाड़वास
भीम भीनासर मोमासर (रिणी) तारानगर जसोल भादरा दड़ीबा टमकोर जालोर भीनमाल लाडनूं भोपालगढ़
पीपाड़ सिटी मेड़ता सिटी फलोदी सांडवा जैसलमेर
मेरा राजस्थान
सोजत
भारत का एक राज्य राजस्थान का एक जिला
1 प्रति ₹ 100/- जालोर 1 प्रति ₹ 100/-
के इतिहास की प्रति मंगवाने के लिए
संपर्क करें:- 022-28509999
सम्पादक
बिजय कुमार जैन
उपसम्पादक
संतोष जैन 'विमल'
कार्यकारी सम्पादक
अनुपमा शर्मा (दाधीच)
पंजीकृत कार्यालय
बी-२१७, हिंद सौराष्ट्र इंडस्ट्रियल इस्टेट, मरोल, अंधेरी पूर्व, मुम्बई, महाराष्ट्र, भारत -४०० ०५९
दूरध्वनि: ०२२-४०१५ ८०९४ अणुडाक: mailgaylordgroup@gmail.com
विशेष छूट
विज्ञापन देने पर पूरे साल 'मेरा राजस्थान' पत्रिका मुफ्त
वार्षिक शुल्क १२००/-
आजीवन शुल्क ११,१११/-
भारत को 'भारत' ही बोला जाए
Remove 'INDIA' Name From The Constitution

जय भारत! जय गौमाता! जय महाराष्ट्र!

मैं भारत हूँ फाउंडेशन
भारतीय संस्कृति की ओर अग्रसर
भारत को 'भारत' ही बोला जाए
www.mainbharathun.co.in

भारत माँ है न्यारी
दुनिया में है प्यारी

चलें गौशाला

गायों को चारा
कर्तव्य है हमारा

प्रकृति की देन गौस्थली केशव श्रृष्टि, उत्तन

१० मई २०२६ वार रविवार सुबह ७:०० से दोपहर १:०० बजे तक

(यदि गौकथा का आयोजन हुआ तो समय में बदलाव किया जा सकता है)

भायखला-दादर-विलेपार्ले-जे.बी.नगर
-अंधेरी पश्चिम-गोरेगांव-कांदिवली
आदि से प्रस्थान

कार्यक्रम की रूपरेखा

- ⇨ मुंबई के विभिन्न क्षेत्रों से १० मई की सुबह ७:०० बजे से बस द्वारा 'गौभक्त' केशव सृष्टि के लिए प्रस्थान.....
- ⇨ सुबह ९:०० बजे केशव सृष्टि में गोभक्तों के नाश्ते की व्यवस्था
- ⇨ सुबह ९:३० बजे से केशव सृष्टि में रहने वाली गौमाता को गौभक्तों के द्वारा आहार....
- ⇨ सुबह १०:३० बजे से १२:०० तक 'गौमाता बनें राष्ट्रमाता' के लिए हुए कार्यों के बारे में उपस्थित गौभक्तों को जानकारी वितरित और गौभक्तों से चर्चा विमर्श....
- ⇨ दोपहर १२:३० बजे सभी गौभक्त अपने-अपने निवास स्थल की ओर प्रस्थान

आयोजक

भारत सरकार द्वारा पंजीकृत क्र. U80300MH2021NPL369101
12A Reg No. AAPCM0514R25MB01 / 80G Reg No. AAPCM0514R25MB02 / CSR Reg No. CSR00101842

मैं भारत हूँ फाउंडेशन

भारतीय संस्कृति की ओर अग्रसर

- भारत को केवल भारत ही बोलें India नहीं
- गौमाता बनें राष्ट्रमाता

गौभक्तों की उपस्थिति का इतिहास में होगा उल्लेख
अभी नहीं-तो कभी नहीं

संपर्क करें

बिजय कुमार जैन, अंधेरी
वरिष्ठ पत्रकार व संपादक
मो. 9322307908

कान बिहारी अग्रवाल, मलाड
ट्रस्टी, अग्रबंधु सेवा समिति
मो. 9820040889

सुरेश पुनमिया, भायखला
संस्थापक 'जिसो'
मो. 9833334444

रवि जैन, कांदीवली
पार्श्वगायक व संगीतकार
मो. 9892015406

संदीप एम दोशी, दादर
जिनरक्षा इंटरनेशनल युवा ग्रुप
मो. 9820119090

संजय गग्गड, घाटकोपर
ट्रस्टी माहेश्वरी प्रगति मंडल
मो. 9821252664

मनिष राजपुरोहित, विलेपार्ले
गौ भक्त
मो. 9867582335

चंदा विरानी, अंधेरी पश्चिम
गौ भक्त
मो. 9892153331

विमला समदानी, जेबी.नगर
गौ भक्त
मो. 9324560725

रमा मनमोहन मिश्रा, भायंदर
गौ भक्त
मो. 9833710715

सौजन्यः ओमकार चौधरी, मो. 9820644524

पुणे में आयोजित भव्यातिभव्य 'आपणों राजस्थान'
कार्यक्रम की अभूतपूर्व सफलता के लिए बधाईयां

Satyanarayan Beriwal

Mob: 9436307214

RAINBOW ELECTRICALS

Howell Road Laban, Shillong, Meghalaya, Bharat - 793004
Email: rainbowelectricals_shillong@yahoo.com

'मैं भारत हूँ' पत्रिका का आगामी विशेषांक

भारत का एक राज्य महाराष्ट्र का एक और जिला 'बुलढाणा'

मई २०२६

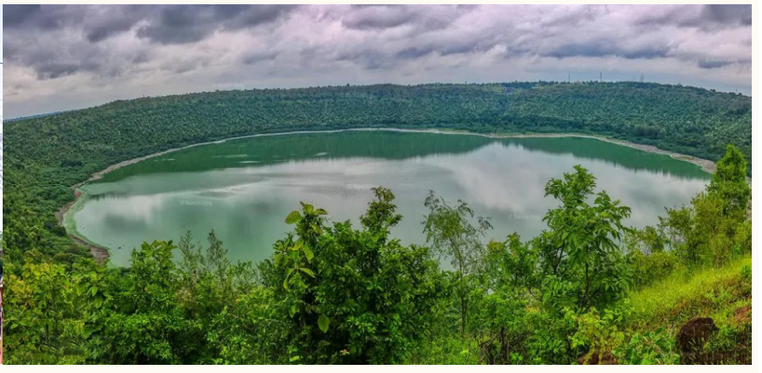

बुलढाणा: महाराष्ट्र के विदर्भ क्षेत्र में स्थित एक ऐतिहासिक जिला है, जिसका प्राचीन नाम 'भिल्लथाना' (भीलों का स्थान) से जुड़ा माना जाता है। यह क्षेत्र मौर्य, सातवाहन, चालुक्य और राष्ट्रकूट जैसे महान साम्राज्यों का हिस्सा रहा है। ऐतिहासिक रूप से, यह निजाम और मराठों के बीच संघर्ष का केंद्र रहा है, जो बाद में ब्रिटिश प्रशासन का हिस्सा बना और भी बहुत कुछ, पढें अगले अंक में....

आइये हम सभी 'जय भारत' से अपने सुधिजनों का अभिवादन करें। जय भारत!

१७ वें वर्ष में प्रवेश
मैं भारत हूँ
वर्ष -१६, अंक ०१, अप्रैल २०२६

वार्षिक मुल्य
रु.१२००/-
१२ अंकों का

बिजय कुमार जैन
वरिष्ठ पत्रकार व सम्पादक
भारत को केवल BHARAT ही बोला जाए
का आव्हान करने वाला भारत माँ का लाडला

उपसंपादक - संतोष जैन 'विमल'
कार्यकारी सम्पादक - अनुपमा शर्मा (दाधीच)
मो: 9702205252
डॉ. अल्पना गंगवाल जैन
मो: 9369253113

● 'मैं भारत हूँ' में प्रकाशित लेखों/ कविताओं/समाचारों/ विज्ञापनों से पूर्ण सहमत होना सम्भव नहीं है।
● 'मैं भारत हूँ' से सम्बन्धित समस्त विवादों के लिये न्याय क्षेत्र अंधेरी, मुम्बई ही मान्य माना जायेगा।

सम्पादकीय मुख्य कार्यालय
गेलार्ड पब्लिकेशन्स प्रा. लि.
बी-२१७, हिंद सौराष्ट्र इंडस्ट्रियल इस्टेट,
मरोल, अंधेरी पूर्व, मुम्बई, महाराष्ट्र,
भारत - ४०० ०५९
दूरभाष :- ०२२-४०१५८०९४
अणु डाक :- mailgaylordgroup@gmail.com
UPI No:- 9322307908
अन्तरताना:- www.mainbharathun.co.in

कृपया विज्ञापन बिल की राशि का भुगतान
नीचे दिये गए बैंकों में जमा करा सकते हैं
HDFC Bank
Andheri East Branch
RTGS / NEFT
IFSC: HDFC 0000592.
Account No.05922320003410
State Bank Of India
(01594) Marol Mumbai Branch.
IFS Code :SBIN0001594.
Account No. 030338727406.
in the name of GAYLORD PUBLICATIONS PVT.LTD.
Payment Transfer & Inform to us on: 9322307908

सम्पादकीय ....

राष्ट्र व राज्य का फ़र्क बताता जालना

विश्व का कोई भी राष्ट्र तभी क्षितिज पर सितारे की तरह चमकता है, जब उस राष्ट्र के लोग सुखी व समृद्ध हों।

'भारत' का ही एक राज्य 'महाराष्ट्र' मतलब 'राष्ट्र है पर महा है', जबकि महाराष्ट्र 'भारत' का ही एक ऐसा राज्य है जो नाम से 'महाराष्ट्र' कारण यह है कि महाराष्ट्र में कई ऐसे जिले व शहर हैं, जिसकी तुलना भारत के किसी भी अन्य शहर से नहीं की जा सकती, इसीलिए महाराष्ट्र को 'महा-राष्ट्र' कहा जाता है। महाराष्ट्र का ही एक शहर 'मुंबई' जिसे भारत का आर्थिक शहर घोषित किया जा चुका है, तो 'पुणे' को सांस्कृतिक नगरी!

'मैं भारत हूं' पत्रिका का प्रस्तुत विशेषांक 'जालना' के इतिहास के द्वारा यह कहना चाहता हूं कि 'जालना' एक औद्योगिक और धार्मिक नगरी कही जा सकती है। 'जालना' के इतिहास प्रकाशन के समय 'जालना' पुत्रों ने कहा कि 'जालना' ने धीरे-धीरे उद्योगों का ऐसा तार बिछाया और सीड्स, स्टील रोलिंग मिल आदि का बेताज़ बादशाह बन गया, सचमुच यदि किसी भी जिले के लोग यदि मेहनत बतौर कमर कस लें तो अपने जिले को राष्ट्र में प्रमुख बना सकते हैं। मैं 'जालना' जिले के भूमि पुत्रों से यह भी कहूंगा कि वे जीतोड़ मेहनत करें और अपने परिवार के साथ, अपने नगर-शहर के साथ, अपने राज्य महाराष्ट्र के साथ, भारत को भी विश्व का सिरमौर बनाएं ताकि हम सबका 'भारत' कहता रहे कि 'मैं भारत हूं'।

भारत के चारों ओर 'गौमाता बनें राष्ट्रमाता' अभियान की सफलता के लिए लगभग ६००० तहसीलदारों को २७ अप्रैल २०२६ को ज्ञापन दिया जा रहा है, ताकि भारत सरकार गौमाता को 'राष्ट्रमाता' घोषित कर सकें। बता दें कि 'भारत' के लगभग १०० करोड़ गौभक्त 'गौमाता' को राष्ट्रमाता के पद पर आसीन देखना चाहते हैं और यह होकर ही रहेगा क्योंकि 'गौमाता' हमारी मां है, पूजनीय है, गौमाता में ३३ कोटि देवताओं का वास रहता है, गौ माता का दूध ही नहीं गोबर, मूत्र आदि भी प्रकृति के लिए वरदान है।

'भारत' की आर्थिक नगरी मुंबई में पहली बार ६त्रिमातृ शक्ति' यानी कि भारत माता, गौमाता और स्वयं की माता के साथ १० मई २०२६ वार रविवार को मुंबई के विभिन्न स्थलों के निवासियों के साथ, मुंबई की प्राचीनतम गौस्थली 'केशव सृष्टि' जहां सैकड़ों की संख्या में गाय माता निवासित हैं, के लिए 'गौयात्रा' का आयोजन 'मैं भारत हूं फाउंडेशन' द्वारा किया जा रहा है, जहां 'भारत को केवल 'भारत' ही बोला जाए, इंडिया नहीं, एक राष्ट्र-एक नाम केवल 'भारत' के साथ, गौमाता के द्वारा मिलने वाले सभी पदार्थों का विश्लेषण किया जाएगा, जिसको भारी प्रतिशाद मिलने की संभावना है, हर कोई चाह रहा है कि अपने ही हाथों से 'गौमाता' को रोटी-चारा खिलाएं, क्योंकि क्योंकि माताओं की मां है 'गौमाता'!

'भारत' का ही एक राज्य महाराष्ट्र की सांस्कृतिक नगरी 'पुणे' में ९वें वर्ष में प्रवेश करते हुए 'आपणों राजस्थान' कार्यक्रम 'राजस्थान स्थापना दिवस' पर आयोजित ३० मार्च के कार्यक्रम को भारी सफलता मिली, जिस सफलता का प्रकाशन प्रस्तुत अंक में पृष्ठ क्रमांक ६-९ में किया भी जा रहा है।

'मैं भारत हूं' के प्रबुद्ध पाठकों से निवेदन है कि प्रस्तुत अंक का पूर्णरूपेण अवलोकन करें और मेरा मार्गदर्शन करें कि 'मैं भारत हूं' का प्रस्तुत प्रकाशित अंक कैसा लग रहा है? मुझे पूरा विश्वास है कि जिस प्रकार 'मैं भारत हूं' के प्रबुद्ध पाठकों ने मेरा साथ व सहयोग दिया है वह आगे भी मिलता रहेगा। जय गौमाता! जय भारत!

SBI BANK
for payment

HDFC BANK
for payment

आपका अपना
बिजय कुमार जैन
वरिष्ठ पत्रकार व सम्पादक
हिंदी सेवी-पर्यावरण प्रेमी
भारत को केवल भारत कहा जाए
का आव्हान करने वाला एक भारतीय

आइये हम सभी 'जय भारत' से अपने सुधिजनों का अभिवादन करें। जय भारत!

आइये हम सभी 'जय भारत' से अपने सुधिजनों का अभिवादन करें। जय भारत!

मैं भारत हूँ फाउंडेशन
मैं भारत हूँ फाउंडेशन
आपणो राजस्थान

३० मार्च पुणे रहवासियों के लिए एक यादगार दिन बन गया

पुणे: भारत का ही एक राज्य महाराष्ट्र में स्थापित सांस्कृतिक नगरी 'पुणे' के गणेश क्रीड़ा संकुल के विशाल सभागार के मंच पर 'पुणे' के भारतीय संस्कृति से रमे बच्चे, महिलाएं, पुरुष ने अपनी प्रतिभाओं को दिखाते हुए राजस्थान की विशालताओं का गुणगान, नाटिकाओं के द्वारा प्रस्तुति ही नहीं दी, देश का नाम एक ही रहे 'भारत' और गौमाता को 'राष्ट्रमाता' का सम्मान मिले, अभियान की सफलता के साथ विशाल सभागार को गूंजायमान कर दिया, इस गूंज को सुनने के लिए राजस्थान सरकार के नगर विकास एवं स्वायच शासन विभाग राज्यमंत्री झाबरसिंह खर्रा व सामाजिक न्याय एवं आधिकारिक विभाग राज्यमंत्री अविनाश गहलोत भी पधारे थे।

३० मार्च की सुबह १०:४५ पर विश्वचर्चित राम मंदिर अयोध्या के कोषाध्यक्ष गोविंददेव गिरी जी ने पधारकर अपना आशीर्वचन प्रदान किया और कहा कि 'मैं भारत हूं फाउंडेशन' द्वारा निर्मित अभूतपूर्व नाटिका 'विक्रम संवत्' पुणे निवासियों द्वारा अभिनीत प्रस्तुति को देख, अपने सात्विक प्रवचन से सभागार में उपस्थित पुणे निवासियों को आशीर्वाद देते हुए कहा कि 'मैं भारत हूं फाउंडेशन' के राष्ट्रीय अध्यक्ष बिजय कुमार जैन की अभूतपूर्व राष्ट्रीय सोच 'भारत को केवल 'भारत' ही बोलना चाहिए, इस अंतरराष्ट्रीय अभियान के संदर्भ में कहा कि मैं तो अपने देश को केवल 'भारत' ही बोलता हूं और राष्ट्रमाता का सम्मान 'गौमाता' को प्राप्त होना ही चाहिए।

कार्यक्रम की सफलता के लिए 'मैं भारत हूं फाउंडेशन' की राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष श्रीमती निशा लड्ढा कोलकाता, राष्ट्रीय सांस्कृतिक मंत्री रवि जैन मुंबई, वर्षा मुंदड़ा कोलकाता, पिंकी शर्मा मुंबई, डॉ अल्पना गंगवाल मालेगांव, गौरी वानखेड़े पुणे-हैदराबाद आदि का भरपूर सहयोग प्राप्त हुआ।

आयोजित समारोह में पुणे निवासी शशीकांत जी पेढवाल (अमिताभ बच्चन) ने फिल्म उद्योग के बादशाह बिग बी अमिताभ बच्चन द्वारा अभिनीत फिल्मों के संवादों की हू-ब-हू प्रस्तुति देकर तालियों की गड़गड़ाहट बटोरी।

बतादें कि कार्यदिवस होने के पश्चात भी सोमवार ३० मार्च को सैकड़ों की संख्या में उपस्थित पुणे निवासियों के द्वारा विभिन्न नाटिकाओं की प्रदर्शनी को देख भाव विभोर ही नहीं हुए, वरन विभिन्न भारतीय ऐतिहासिक उपलब्धियों को देख उपस्थित जनसमूह का ज्ञान बढ़ा, विशेषकर बच्चों की प्रस्तुति ने तो आश्चर्यचकित कर दिया, यहां यह बता देना उचित होगा कि विदेशों में भी बैठे भारतीयों के लिए युटुब व जूम के माध्यम से भारतीय संस्कृति का सम्मान बढ़ाने में भी संस्थान ने कोई कोताही नहीं बरती।

'राजस्थान दिवस' हम सबका है–यह किसी एक व्यक्ति या समूह तक सीमित नहीं, बल्कि पूरे समाज का गौरव है।

यह दिन हर राजस्थानी के सम्मान, संस्कृति और परंपराओं का प्रतीक है। हम सभी का दायित्व है कि इसे मिलकर, एकजुट होकर और पूरे उत्साह के साथ मनाएं, समाज की खूबसूरती उसकी एकता में होती है, जब हम साथ चलते हैं, तो हर आयोजन अपने आप सफल और यादगार बन जाता है, इसलिए जरूरी है कि हम आपसी सहयोग, संवाद और समन्वय को प्राथमिकता दें।

⇨ कभी-कभी समाज में कुछ ऐसे लोग भी होते हैं जो हर परिस्थिति में खुद को हर पक्ष से जोड़कर सजग और समझदारी से काम लेते हैं, ताकि हमारा ध्यान हमेशा समाज के हित और एकता पर बना रहे।

'राजस्थान स्थापना दिवस' जैसे सांस्कृतिक पर्व को हमें राजनीति या व्यक्तिगत मतभेदों से ऊपर रखकर देखना चाहिए, यह हमारी पहचान और संस्कारों का उत्सव है, जिसे सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ाना हम सभी की जिम्मेदारी है।

भविष्य में यदि एक से अधिक आयोजन हों, तो आपसी समझ और तालमेल के साथ समय और व्यवस्था तय की जा सकती है, ताकि हर कार्यक्रम सफल हो और समाज की एकता और मजबूत बने।

३० मार्च 'राजस्थान स्थापना दिवस' को अभूतपूर्व प्रस्तुत कार्यक्रम 'भारतीय संस्कृति का समागम' की सफलता का श्रेय कोहिनूर ग्रुप के संस्थापक कृष्ण कुमार जी गोयल, गंगा गोयल परिवार की संस्थापिका गीता जयप्रकाश गोयल, मित्तल उद्योग से विजय जी मित्तल, प्रसिद्ध समाजसेवी व उद्योगपति आर.वी.बुबना जी मुंबई, महाराष्ट्र गौसेवा विभाग के अध्यक्ष शेखर जी मूंदड़ा, एडवोकेट व प्रसिद्ध समाजसेवी अभय जी छाजेड़, जैन इंटरनेशनल सेवा ऑर्गेनाइजेशन के संस्थापक सुरेश जी पुनमिया मुंबई, राजस्थान फाऊंडेशन मुंबई विभाग के अध्यक्ष गणपत जी कोठारी, सूर्यदत्ता इंस्टिट्यूट के संस्थापक डॉ संजय जी चौरडिया, महेश नागरी सहकारी बैंक के मैनेजिंग डायरेक्टर व सीईओ मगराज जी राठी, महेश बैंक के जुगराज जी पुंगलिया, महेश्वरी प्रगति मंडल पुणे के अध्यक्ष महेश जी सोमानी के साथ पुणे जिला के विभिन्न जैन संप्रदाय से जुड़े समाजसेवी अशोक जी पगारिया, विमल ताई बाफना, प्रोफेसर सुरेखा कटारिया, दाधीच समाज से जेठमल जी दाधीच आदि आदि से मिले आर्थिक सहयोग ने यह प्रभावित किया कि अब महाराष्ट्र से उठी यह गूंज 'एक राष्ट्र-एक नाम केवल 'भारत' व गौमाता बनें राष्ट्रमाता का आह्वान भारत से ही नहीं, विश्व में फैले भारतीयों का भी साथ मिलेगा, ऐसा विश्वास उपस्थित पुणे निवासियों को हो गया।

भव्यातिभव्य कार्यक्रम को सफल बनाने में अपना भूतपूर्व योगदान देने वालों को मैं पुणे निवासी मंजू अग्रवाल 'अग्र माधवी महिला मंडल एवं श्री श्याम परिवार पुणे' की संस्थापिका निवेदन करती हूँ कि 'भारत को केवल 'भारत' ही बोला जाए' व गौमाता बनें राष्ट्रमाता के अभियान को सफल बनाने में उपस्थित होकर अपना सहयोग व मार्गदर्शन दें ताकि विश्व के मानचित्र १४० करोड़ भारतीयों के देश का नाम जहां INDIA लिखा हुआ है, वहां पर केवल 'भारत' ही लिखा जाए और हम सबकी गौमाता को 'राष्ट्रमाता' का सम्मान भारत में मिल सके।

आइए, हम सभी मिलकर संकल्प लें कि आने वाले हर 'राजस्थान दिवस' को एकता, भाईचारे और गर्व के साथ मनाएंगे–ताकि हमारी पहचान और भी मजबूत हो।

शेष पृष्ठ ९ पर...

आइये हम सभी 'जय भारत' से अपने सुधिजनों का अभिवादन करें। जय भारत!

पृष्ठ ८ से ...

पुणे की निम्न प्रतिभाओं से 'आपणों राजस्थान' कार्यक्रम सफलतम हो पाया

निशा मुंदडा	सुषमा राठी	दिप्ती भूतडा	अंशुल मालपाणी	अर्चना अग्रवाल
सुहानी राठी	**सुनीता मित्तल**	प्रियंका पुंगलिया	प्रतिभा बिर्ला	कीर्ति अग्रवाल
राजेश राठी	श्रेया कनोडिया	**संगीता चौधरी**	डॉ.पूर्णिमा काबरा	आरती अग्रवाल
कीर्ति काबरा	दीपा गोयल	सुखदेव चारण	**सोनल फोफलिया**	रेणुका अग्रवाल
लता भूतड़ा	श्वेता अग्रवाल	जिवाराम चौधरी	स्मिता मालानी	**चंदा वर्मा**
शांता टावरी	प्रीति गोयल	प्रियंका गेहलोत	पूजा तापडिया	सुनीता वर्मा
संगीता लाहोटी	नीलम अग्रवाल	पिंकी परिहार	दिप्ती भुतडा	बिना वर्मा
लीला मालू	**पूजा लुंकड**	वर्षा भाटी	पूज्यता काबरा	सविता वर्मा
निशा सोनी	शीतल गांधी	**कल्पना हेडा**	तेजल मालपाणी	रेखा वर्मा
दीपाली राठी	सविता कर्नावट	पूनम झंवर	**मंजू अग्रवाल**	ओमकवरी वर्मा
सोनल पोफलिया	मंगल खीवंसरा	कांचन हेडा	खुशबु सोनी	**प्रियंका पुगलिया**
अर्चना लखोटिया	अलका कोठारी	राखी गोयल	पूनम अग्रवाल	उमा बाहेती
सुशीला चांडक	शिल्पा गांधी	यशोदा राठी	रीता अग्रवाल	नेहा जाजू
सुनंदा धूत	**डॉ.नयना भराडीया**	पिंकी अग्रवाल	तन्वी केडिया	**आदि- आदि को**
शैला चांडक	पूजा लुंकड	**डिंपल हेडा**	संगीता अग्रवाल	**'मैं भारत हूँ फाउंडेशन'**
रामेशवरी जाजू	शीतल गांधी	सीमा जोशी	**सुनीता बंसल**	**परिवार की तरफ से**
नीता बंग	पिंकी अग्रवाल	उमा बाहेती	रोहिणी अग्रवाल	**कोटिशः धन्यवाद!**

ऐतिहासिक स्थलों और आध्यात्मिक महत्व के लिए
प्रसिद्ध जालना के इतिहास प्रकाशन पर
हार्दिक शुभकामनाएं

Rajesh Patni
Mob: 7020460819

Patni Warehouse

Plot no. B-7, Old MIDC, Jalna,
Maharashtra, Bharat- 431203

ऐतिहासिक स्थलों और आध्यात्मिक महत्व के लिए
प्रसिद्ध जालना के इतिहास प्रकाशन पर
हार्दिक शुभकामनाएं

Rameshchand S. Agrawal
Mob: 09423748384, 08482854442

Nitin R. Agrawal
Mob: 09405060912

LIONS INTERNATIONAL
LSM
LAXMI STORE MANWAT JALNA

Laxmi Stone Marchant
Laxmi Granite Depo

Lakkadkot, Near Bus Stand, Jalna,
Maharashtra, Bharat - 431203.

Nehru Nagar, Lakkadkot, Jalna ,
Maharashtra, Bharat - 431203.
Email: rameshchand.agrawal.58@gmail.com

जनकपुर उर्फ जालना जिले का परिचय

महाराष्ट्र के मध्य क्षेत्र में स्थित 'जालना' जिला मराठवाड़ा क्षेत्र में एक विशेष स्थान रखता है, ऐतिहासिक रूप से यह निज़ाम राज्य का हिस्सा था और मराठवाड़ा मुक्ति आंदोलन के बाद 'भारत' का हिस्सा बना।

१ मई, १९८१ को औरंगाबाद और परभणी जिलों से कुछ हिस्से अलग करके इस जिले की आधिकारिक स्थापना की गई। 'जालना' अपने समृद्ध उद्योगों के लिए जाना जाता है, जिनमें हाइब्रिड बीज उत्पादन, स्टील री-रोलिंग और कृषि आधारित उद्यम शामिल हैं, साथ ही यह महाराष्ट्र में मीठे नींबू (मौसंबी) का अग्रणी उत्पादक भी है, इसका औद्योगिक इतिहास भी मजबूत है, खासकर बीज और इस्पात उद्योगों के लिए यह प्रसिद्ध है।

कुंडलिका नदी

'जालना' जिला संस्कृतियों का संगम है, जहां विभिन्न समुदाय रहते हैं और इसकी जीवंत सामाजिक संरचना में योगदान देते हैं। यहां सद्भाव व्याप्त है, जो मंदिरों, मस्जिदों और जैन तीर्थस्थलों जैसी विविध धार्मिक संरचनाओं में परिलक्षित है और लोगों के बीच एकता को बढ़ावा देता है। 'जालना' में प्रदर्शन कलाओं की भी समृद्ध परंपरा है, जहां नियमित रूप से रंगमंच और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित होते हैं। जिले के शिक्षण संस्थान सांस्कृतिक गतिविधियों को सक्रिय रूप से प्रोत्साहित करते हैं, जिससे स्थानीय परंपराओं और रचनात्मक अभिव्यक्ति का संरक्षण सुनिश्चित होता है।

'जालना' में बोली जाने वाली प्रमुख भाषा मराठी है, जो इस क्षेत्र को महाराष्ट्र की सांस्कृतिक विरासत से जोड़ती है। 'जालना' का भोजन, जो मुख्य रूप से पारंपरिक थाली के रूप में परोसा जाता है, पूरन पोली, कोथिंबीर वड़ी और पोहा जैसे व्यंजनों की एक समृद्ध श्रृंखला प्रस्तुत करता है। दिवाली, होली, गणेश चतुर्थी और शरद नवरात्रि जैसे त्योहार समुदाय को एक साथ लाते हैं और भव्य मेले और उत्सव तीर्थयात्रियों और पर्यटकों को आकर्षित करते हैं। संस्कृति, उद्योग और एकता का यह मिश्रण 'जालना' को एक जीवंत और सामंजस्यपूर्ण जिला बनाता है।

जालना का समृद्ध इतिहास

जालना का इतिहास कुंडलिका नदी के तट पर इसकी उत्पत्ति से जुड़ा है। मूल रूप से 'जनकपुर' के नाम से जाना जाने वाला यह शहर, एक धनी मुस्लिम व्यापारी द्वारा 'जालना' नाम दिया गया, जिसका पेशा बुनकर का था। भगवान राम के समय से ऐतिहासिक संबंध, जहां सीता का निवास माना जाता है, अनेक प्राचीन मंदिरों से युक्त 'जालना' एक प्रमुख धार्मिक और सांस्कृतिक केंद्र है, जो अपनी गहरी आध्यात्मिक विरासत के कारण एक लोकप्रिय पर्यटन स्थल के रूप में ध्यान आकर्षित करता है।

'जालना' ने कई शासनों का अनुभव किया है। अकबर के शासनकाल में, जब उन्होंने इसे अबुल फजल को जागीर के रूप में दिया था, विभिन्न शक्तियों के बीच संघर्ष के दौर तक १७६० के उदगीर युद्ध में पुणे के शासकों ने इस पर अधिकार कर लिया, जबकि १८०३ के असाये युद्ध में कर्नल स्टीवेन्सन के नेतृत्व में ब्रिटिश सेना शामिल थी, अंततः हैदराबाद के निज़ाम ने जालना पर तब तक शासन किया जब तक इसका हैदराबाद राज्य में विलय नहीं हो गया और बाद में १९८१ में इसे एक स्वतंत्र जिले के रूप में स्थापित किया गया। आज यह शहर उद्योगों, शिक्षा और सांस्कृतिक विविधता से समृद्ध है।

जालना में सनातन मंदिर

श्री गणेश मंदिर, राजूर

राजूर गणपति मंदिर

राजूर में स्थित यह श्री गणेश मंदिर एक महत्वपूर्ण धार्मिक स्थल है। ऐसा माना जाता है कि यहां भगवान गणेश की प्रतिमा स्वयंभू प्रकट हुई है। विशेषकर गणेश चतुर्थी के दौरान, अनेक लोग आशीर्वाद प्राप्त करने के लिए इस मंदिर में दर्शन करने आते हैं। मंदिर के आसपास का शांत वातावरण इसे ध्यान और प्रार्थना के लिए आदर्श स्थान बनाता है।

श्री मत्स्योदरी देवी मंदिर

'जालना' जिले के अंबड में स्थित श्री मत्स्योदरी देवी मंदिर क्षेत्र के सबसे प्राचीन और श्रद्धा केंद्रों में से एक है,यह मंदिर जालना शहर से लगभग २१ किमी दक्षिण में स्थित है।

श्री मत्स्योदरी देवी मंदिर

'मत्स्योदरी' शब्द दो शब्दों से बना हैः 'मत्स्य' (मछली) और 'उदर' (पेट)। मंदिर जिस पहाड़ी पर स्थित है, उसका आकार दूर से देखने पर मछली जैसा प्रतीत होता है, इसलिए देवी को 'मत्स्योदरी' कहा जाता है।

स्थानीय मान्यताओं के अनुसार 'अंबड' शहर की स्थापना ऋषि अंबड (राजा अंबरीश) ने की थी, बाद में इंदौर की महारानी अहिल्याबाई होल्कर ने इस मंदिर का जीर्णोद्धार करवाया था।

मंदिर के मुख्य गर्भगृह में महालक्ष्मी, महासरस्वती और महाकाली की मूर्तियाँ विराजमान हैं। यह जम्मू-कश्मीर के वैष्णो देवी मंदिर के बाद कुछ गिने-चुने मंदिरों में से एक है, जहाँ ये तीनों देवियाँ एक साथ उपस्थित हैं,यहाँ नवरात्रि (अक्टूबर) के दौरान एक विशाल वार्षिक मेले का आयोजन होता है, जिसमें लाखों श्रद्धालु दर्शन के लिए आते हैं।

श्री पंचमुखी महादेव मंदिर

जालना का श्री पंचमुखी महादेव मंदिर एक प्राचीन और पौराणिक धार्मिक स्थल है, जो भगवान शिव के पांच मुखों वाले स्वरूप को समर्पित है। स्थानीय मान्यताओं के अनुसार, यहाँ का शिवलिंग स्वयंभू (प्रकट हुआ) माना जाता है।

प्राचीनता और इतिहासः यह मंदिर लगभग ३०० से ८०० साल पुराना बताया जाता है, मंदिर के मुख्य पुजारी के अनुसार, यह जालना के सबसे पुराने और जागृत देवस्थानों में से एक है।

यहाँ विराजमान शिवलिंग के पांच मुख हैं—सद्योजात, वामदेव, अघोर, तत्पुरुष और ईशान,ये पांच मुख सृष्टि के पांच तत्वों (पृथ्वी, जल, अग्नि, वायु और आकाश) का प्रतिनिधित्व करते हैं।

श्री पंचमुखी महादेव मंदिर

मंदिर परिसर में जमीन के नीचे एक नाग मंदिर है, जिसे विशेष रूप से केवल पंचमी के दिन ही खोला जाता है। मुख्य शिवलिंग के अलावा, परिसर में शंख, शिव-पार्वती, लक्ष्मी-नारायण, भगवान दत्तात्रेय, गणेश और कार्तिकेय की भी मूर्तियाँ स्थापित हैं।

अनोखी सेवाः इस मंदिर में भक्तों को भगवान शिव पर अर्पित करने के लिए पानी, लोटा और धतूरे के फूल निःशुल्क उपलब्ध कराए जाते हैं। सोमवार को रात ९:०० बजे होने वाली आरती भक्तों के बीच बहुत लोकप्रिय है।

महाशिवरात्रि इस दिन यहाँ हज़ारों की संख्या में श्रद्धालु दर्शन के लिए आते हैं और भव्य उत्सव मनाया जाता है।

पताः गांधीनगर, वेंकटेश नगर, जालना, महाराष्ट्र, **शेष पृष्ठ १२ पर...**

ऐतिहासिक स्थलों और आध्यात्मिक महत्व के लिए प्रसिद्ध जालना के इतिहास प्रकाशन पर हार्दिक शुभकामनाएं
अशोक लोहिया
मोः ९४२२३७८५९२
Sanjivani® Pumps
Let's Make The World Green
अधिकृत डिस्ट्रीब्यूटर
किसान मशिनरी स्टोअर्स

शोप.नं. १, जुना मोंढा, जालना
महाराष्ट्र, भारत- ४३१२०३

पृष्ठ ११ से... भारत - ४३१२०३

श्री तिरुपति बालाजी मंदिर

'जालना' का श्री तिरुपति बालाजी मंदिर एक अत्यंत शांतिपूर्ण और भक्तिमय स्थल है, जो अपनी उत्कृष्ट व्यवस्थाओं और दक्षिण भारतीय शैली की झलक के लिए जाना जाता है।

धार्मिक वातावरण: मंदिर भगवान वेंकटेश्वर (विष्णु) को समर्पित है। यहाँ का वातावरण काफी शांत और आध्यात्मिक है, जो भक्तों को तिरुपति (आंध्र प्रदेश) के मूल मंदिर की याद दिलाता है।

यह मंदिर अपनी उदार सेवाओं के लिए प्रसिद्ध है। भक्तों के लिए दर्शन पूरी तरह से मुफ्त हैं। यहाँ भक्तों को निशुल्क नाश्ता, भोजन और प्रसाद दिया जाता है। यात्रियों के लिए बहुत ही किफायती दर पर कमरे उपलब्ध हैं।

मंदिर परिसर अपनी स्वच्छता और अनुशासित प्रबंधन के लिए स्थानीय स्तर पर बहुत सराहा जाता है।

पता: लक्ष्मीनारायणपुरा, जालना, महाराष्ट्र,भारत - ४३१२१३।

श्री क्षेत्र वनदेव

जालना में श्री क्षेत्र वनदेव और श्री दत्त मंदिर महानुभाव पंथ के अत्यंत महत्वपूर्ण और पवित्र स्थान हैं, ये दोनों स्थान एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं और शहर के पुराने हिस्से में स्थित हैं।

ऐतिहासिक महत्व: यह स्थान महानुभाव पंथ के प्रवर्तक सर्वज्ञ श्री चक्रधर स्वामी से संबंधित है। माना जाता है कि स्वामी जी ने यहाँ एलहाईसा नामक एक छोटी बच्ची के साथ भाऊबीज मनाई थी। यह संजय नगर (पुराना जालना) में स्थित है, इसे 'नागाविहीर' स्थान के रूप में भी जाना जाता है और यह महानुभाव पंथ के अनुयायियों के लिए एक प्रमुख तीर्थ स्थल है।

श्री आनंदी स्वामी मंदिर

'जालना' का श्री आनंदी स्वामी मंदिर (जिसे आनंदी स्वामी मठ भी कहा जाता है) शहर का एक अत्यंत महत्वपूर्ण आध्यात्मिक और ऐतिहासिक केंद्र है। यह मंदिर १८वीं शताब्दी के महान संत श्री आनंदी स्वामी की समाधि पर बना है, इस मंदिर का निर्माण मराठा योद्धा महादजी शिंदे द्वारा लगभग २५०-३०० साल पहले करवाया गया था। यह मंदिर अपनी बेहतरीन लकड़ी की नक्काशी के लिए प्रसिद्ध है। मंदिर की बनावट एक पुराने राजवाड़े जैसी प्रतीत होती है, जिसमें नक्काशीदार स्तंभ और पारंपरिक गुंबद शामिल हैं।

यहाँ श्री आनंदी स्वामी की समाधि स्थित है। भक्तों का मानना है कि स्वामी जी ने कई चमत्कार किए थे और आज भी यहाँ आने वाले लोगों को अपार शांति का अनुभव होता है, मंदिर का सबसे बड़ा आकर्षण आषाढ़ी एकादशी का मेला है, इस दौरान यहाँ 'पालखी' निकाली जाती शेष पृष्ठ १३ पर...

ऐतिहासिक स्थलों और आध्यात्मिक महत्व के लिए
प्रसिद्ध जालना के इतिहास प्रकाशन पर हार्दिक शुभकामनाएं

१९८२ पासून
शेतकऱ्याच्या सेवेत

प्रकाशचंद्र मंत्री
मा.९४२२२३४००५/९४२०४६१५०१
१९८२ पासून शेतकरी सेवेत
जगदंबा ॲग्रो इंजिनिअरींग
मिनी टीलर, पॉवर टिलर (५HP-१५HP), दालमिल,
कडबा कुट्टी, पिठाची गिरणी, ब्रश कटर, खड्डे खांदणी
मशीन व इतर शेती संलग्न मशिनरी
भोकरदन नाका, राजुरी कॉर्नर जवळ, औरंगाबाद रोड,
जालना, महाराष्ट्र, भारत - ४३१२०

पृष्ठ १२ से... है और हज़ारों भक्त दर्शन के लिए उमड़ते हैं।

मम्मा देवी मंदिर

'जालना' का श्री मम्मा देवी मंदिर शहर का एक अत्यंत पवित्र और ऐतिहासिक

धार्मिक स्थल है, यह मंदिर देवी दुर्गा के अवतार मम्मा देवी को समर्पित है और स्थानीय लोगों के बीच गहरी श्रद्धा का केंद्र है, इसे 'मत्स्योदरी' भी कहा जाता है क्योंकि यह माना जाता है, कि मंदिर मछली के आकार की पहाड़ी ('मछली का गर्भ') के एक छोर पर स्थित है। मंदिर में कांच का सुंदर काम किया गया है, जिसके कारण इसे कुछ लोग जालना का 'शीशमहल' भी कहते हैं।

ऐसी मान्यता है कि महिला भक्त यहाँ अपने मनचाहे जीवनसाथी और पति की लंबी उम्र की प्रार्थना करने आती हैं।

प्रमुख उत्सवः यहाँ नवरात्रि (विशेषकर चैत्र नवरात्रि) सबसे बड़ा त्यौहार होता है, इस दौरान यहाँ भजन, कीर्तन और विभिन्न धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है, जिसमें लाखों भक्त शामिल होते हैं।

श्री समर्थ रामदास मंदिर - जाम्ब समर्थ

जाम्ब समर्थ, छत्रपति शिवाजी महाराज के गुरु और महान संत समर्थ रामदास

स्वामी की जन्मभूमि है। यहाँ स्थित मंदिर एक महत्वपूर्ण तीर्थस्थल है। यह एक शांत स्थान है, जहाँ आगंतुक समर्थ रामदास के जीवन और शिक्षाओं के बारे

में जान सकते हैं।

श्री क्षेत्र जलिचा देव

श्री क्षेत्र जलिचा देव एक धार्मिक स्थल है जिसका स्थानीय लोगों के लिए बहुत महत्व है। श्रद्धालु प्रार्थना करने और आशीर्वाद प्राप्त करने के लिए इस मंदिर में आते हैं। यहाँ की वास्तुकला और आध्यात्मिक ऊर्जा इसे एक शांतिपूर्ण स्थान बनाती है।

श्री दत्ताश्रम संस्थान

महाराष्ट्र में एक दिव्य आध्यात्मिक केंद्र श्री दत्ताश्रम संस्थान महाराष्ट्र के जालना जिले में न्हावा रोड स्थित सतगुरु नगर में शांतिपूर्ण वातावरण में स्थित है। राम नवमी के पवित्र दिन १९९४ में स्थापित यह आध्यात्मिक केंद्र भक्ति, अनुशासन और निस्वार्थ सेवा से परिपूर्ण स्थान के रूप में विकसित हुआ है। आरंभ से ही इसने जीवन के सभी क्षेत्रों के लोगों का स्वागत किया है। भक्ति के मार्ग को प्रोत्साहित करते हुए, यह संस्थान आध्यात्मिक साधना और दैनिक पारिवारिक एवं सामाजिक जिम्मेदारियों के बीच संतुलन स्थापित करना भी सिखाता है।

संस्थापक - परम पूज्य ताई महाराज

राम नवमी के दिन शशाबाई काजलकर के रूप में जन्मीं परम पूज्य ताई महाराज भक्तों के हृदय में विशेष स्थान रखती हैं। उनके गुरु, श्री धुंडीराज महाराज ने उन्हें शिशु अवस्था में ही आध्यात्मिक संतान के रूप में स्वीकार कर लिया था।

ताई महाराज सादगी, भक्ति और सेवा से परिपूर्ण जीवन व्यतीत करती हैं। नामस्मरण के प्रति उनके गहरे प्रेम और दूसरों की सेवा में उनके अथक प्रयासों के माध्यम से, वे अनगिनत लोगों को सांसारिक कर्तव्यों को छोड़े बिना भक्ति के मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित करती आध्यात्मिक ऊर्जा इसे एक शांतिपूर्ण स्थान बनाती है।

जालना के इतिहास प्रकाशन पर हार्दिक शुभकामनाएं

Ajit Chhabda
Mob: 9423156025
AJIT CHHABDA & ASSOCIATES
● Consulting Engineers ● Structural Designers ● Architectural Planners ● Approved Valuers
Wing No.3, 1st Floor, Chatrapati Shivaji Maharaj Sankul,
Old cotton Market, Deolgaon Raja Road, Jalna, Maharashtra, Bharat- 431203
(M.H.) Ph.240091 E-mail:ajitcga@rediffmail.com

जालना में प्रमुख स्थल

छत्रपति संभाजी महाराज पार्क

यह पार्क परिवारों और प्रकृति प्रेमियों के लिए एक बेहतरीन जगह है। यहाँ का वातावरण सुकून भरा है, जहाँ लोग सुबह की सैर का आनंद ले सकते हैं, परिवार के साथ समय बिता सकते हैं या बस बैठकर प्रकृति की सुंदरता का लुत्फ़ उठा सकते हैं। यहाँ की सुव्यवस्थित हरियाली और खेल के मैदान इसे हर उम्र के लोगों के लिए एक आदर्श स्थान बनाते हैं।

मोती झील जालना

जमशेद खान ने मगरमच्छ तालाब के अंदर काली मस्जिद का निर्माण, हमाम (स्नानघर) और कब्रिस्तान के साथ मिलकर शहर के पश्चिम की ओर मोती तालाब का भी निर्माण कराया। कच्चे पाइपों की एक प्रणाली

शहर के ठिकानों में पानी ले जाती है, जिसमें से सबसे बड़ी काली मस्जिद कब्रिस्तान के चतुष्कोण में है। यह सिस्टम अब काम करने की स्थिति में नहीं है। जब यह शहर अपनी समृद्धि के चरम पर था, तब ऐसे पाँचवें तालाब थे। तालाब के पास एक बाग भी बनाया गया था जिसे पर्ल बाग के नाम से जाना जाता था।

सैटेलाइट ट्रैकिंग सेंटर

जालना के पास इंदेवाडी में एक केंद्रीय सरकारी सैटेलाइट ट्रैकिंग सेंटर (Satellite Tracking Center) स्थित है, जो अंतरिक्ष गतिविधियों पर सीधी नज़र रखने के लिए एक महत्वपूर्ण केंद्र है। यह केंद्र मुख्य रूप से उपग्रह ट्रैकिंग और संचार निगरानी जैसी तकनीकी गतिविधियों से जुड़ा है। यह कोई कमर्शियल उपग्रह डेटा केंद्र नहीं, बल्कि एक सुरक्षा या तकनीकी ट्रैकिंग स्टेशन है।

आइये हम सभी 'जय भारत' से अपने सुधिजनों का अभिवादन करें। जय भारत!

जालना में जैन समाज, मंदिर व भवन

'जालना' में जैन समाज एक अत्यंत सक्रिय और प्रभावशाली समुदाय है, जो अपनी धार्मिक और सामाजिक गतिविधियों के लिए जाना जाता है। यहाँ जैन धर्म के विभिन्न संप्रदायों, विशेषकर श्वेताम्बर, स्थानकवासी, दिगम्बर और तेरापंथ समाज की महत्वपूर्ण उपस्थिति है।

गुरु गणेश तपोधामः यह 'जालना' का सबसे प्रसिद्ध जैन तीर्थ स्थल है, श्वेताम्बर जो स्थानकवासी संप्रदाय से संबंधित है, यहाँ राष्ट्रसंत गुरु गणेशलाल जी महाराज की समाधि है, यह स्थान अपनी शांति, आध्यात्मिक वातावरण और आधुनिक सुविधाओं के लिए जाना जाता है।

जैन मंदिर और धर्मशालाएँः 'जालना' में कई प्राचीन और सुंदर मंदिर हैं, जैसे कि श्री चंद्रप्रभु स्वामी जैन मंदिर (न्यू मोंढा) और श्वेताम्बर जैन मंदिर (भाग्य नगर) बाहरी यात्रियों के लिए यहाँ जैन धर्मशालाओं की सुविधा भी उपलब्ध है।

जैन भवन : सकलेचा नगर में स्थित यह भवन सामुदायिक उत्सवों और छोटे समारोहों के लिए एक प्रमुख केंद्र है।

श्री महाराष्ट्र कच्छी ओसवाल जैन समाजः जालना में विभिन्न जैन उप-जातियों की अपनी कमेटियाँ और संगठन हैं,जो सामाजिक कल्याण के कार्य करते हैं।

गुरू गणेश तपोधाम

तपोधाम गौशाला

तपोधाम विद्यालय

तपोधाम गेस्ट हाउस

सकल जैन समाज रैलियाँः जैन समुदाय अपनी मांगों और धरोहरों (जैसे जैन बोर्डिंग) की सुरक्षा के लिए एकजुट होकर काम करता है, जिसके लिए अक्सर दुपहिया रैलियों जैसे सार्वजनिक प्रदर्शन आयोजित किए जाते हैं।

गुरू गणेश तपोधामः

महाराष्ट्र के 'जालना' शहर में स्थित जैन समाज का एक अत्यंत पवित्र और गुरु गणेशलाल जी महाराज यह तीर्थ परम पूज्य श्री गणेशलाल जी महाराज (जिन्हें 'कर्नाटक केसरी' के नाम से भी जाना जाता है) का पावन समाधि स्थल है।

संचालनः इस पवित्र स्थल की देखरेख 'श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ' ट्रस्ट द्वारा की जाती है।

सामाजिक कार्यः यह ट्रस्ट केवल धार्मिक ही नहीं, बल्कि कई सामाजिक संस्थाएं भी चलाता है, जिनमें स्कूल, अंध विद्यालय, पुस्तकालय और एक विशाल गौशाला शामिल है। यहाँ की गौशाला मराठवाड़ा क्षेत्र की सबसे बड़ी

श्री महावीर स्थानकवासी जैन विद्यालय

गौशालाओं में से एक मानी जाती है।

यात्रियों के ठहरने के लिए यहाँ वातानुकूलित अतिथि निवास और चार बिस्तरों वाले कमरे उपलब्ध हैं।

विराग अक्षय समाधि तीर्थ

विराग अक्षय समाधि तीर्थ महाराष्ट्र के जालना जिले में स्थित दिगम्बर जैन

विराग अक्षय समाधि तीर्थ

समाज का एक अत्यंत महत्वपूर्ण और नवीन तीर्थ स्थल है, यह स्थान मुख्य रूप से पूज्य गणाचार्य श्री १०८ विराग सागर जी महाराज की पावन समाधि स्थली के रूप में जाना जाता है।

महत्वः यह तीर्थ गणाचार्य विराग सागर जी महाराज **शेष पृष्ठ १६ पर...**

ऐतिहासिक स्थलों और आध्यात्मिक महत्व के लिए प्रसिद्ध 'जालना' के इतिहास प्रकाशन पर हार्दिक शुभकामनाएं

सतीश पंच

मो. ९४२२२१५९८२

राज्य उपाध्यक्ष : कन्फेडेरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कॅट)
अध्यक्ष : व्यापारी महासंघ जिल्हा जालना
अध्यक्ष : होलसेल किराणा मर्चेंट असोसिएशन
माजी अध्यक्ष तथा विद्यमान संचालक जालना पिपल्स को-ऑप बँक
अशासकिय सदस्यः जिल्हा ग्राहक संस्था परिषद

जय लक्ष्मी ऑईल इण्डस्ट्रीज
१८/२, जुनी एम.आय.डी.सी., जालना
मो.९४२२२१५९८२, ९४२२७२४३५०

उमंग इंडस्ट्रीज (दालमील)
१८/१, जुनी एम.आय.डी.सी., जालना
मो.९४२३१५६१२३, ९४२२२१७६४८

सतीश ट्रेडर्स
दु.नं. के-३२४/२५, होलसेल किराणा मार्केट, जालना मो.८३८००४१८९०, ९४२१४२१५०३

सचिन किराणा
मंठा रोड, रामनगर (सा.का.) जि. जालना
मो.९०११०३२०१०, ७०३८३७८८९९

सालासर ट्रेडर्स
दु.नं.के-३२३, होलसेल किराणा मार्केट, जालना मो.८३८००८५८०६, ९३२५९०१७५०

स्वास्तिक ट्रेडर्स
दु.नं.३९, होलसेल किराणा मार्केट, जालना
मो.८८०५६८०६९४, ९४०४५०६१५४

पृष्ठ १५ से... के 'समाधि मरण' (सल्लेखना) का स्थान है, उन्होंने ४ जुलाई २०२४ को जालना के पास देवमूर्ति गांव में समाधि ली थी।

स्थानः यह तीर्थ जालना जिले के देवमूर्ति गांव, सिदखेड़ा, राजा रोड पर स्थित है।

स्थापना और विकासः

आचार्य श्री विशुद्ध सागर जी महाराज की प्रेरणा से यहाँ तीर्थंकर भगवंतों की प्रतिमाएं विराजित की गई हैं। यहाँ मार्च २०२५ में एक भव्य पंचकल्याणक महोत्सव आयोजित किया गया था, जिसमें गुरु मंदिर और विशाल त्रय जिनबिंबों की स्थापना की गई थी।

मुख्य प्रतिमाएं: यहाँ प्रभु विमलनाथ जी सहित अन्य त्रिमूर्ति प्रतिमाएं विराजमान हैं।

श्री १००८ पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर

श्री १००८ पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर 'जालना' में दिगम्बर जैन समुदाय का

श्री १००८ पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर

एक प्रमुख प्रार्थना स्थल है, यह मंदिर पार्श्वनाथ तीर्थंकर जी को समर्पित है, जो जैन धर्म के २३वें तीर्थंकर हैं। जैन परंपरा में शुद्धता और पूर्णता का प्रतीक माना जाता है। मंदिर में पार्श्वनाथ जी की प्रतिमा के दर्शन और पूजन के लिए स्थानीय जैन समाज नियमित रूप से एकत्रित होता है।

'मैं भारत हूँ' के प्रबद्ध पाठक यदि जालना में हैं, तो आप इन प्रसिद्ध जैन तीर्थों पर जा सकते हैं:

कचनेर जीः जालना से लगभग ६४ किमी दूर स्थित श्री १००८ चिंतामणि पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र एक अत्यंत चमत्कारी और प्राचीन तीर्थ स्थल है, जहाँ तीर्थंकर पार्श्वनाथ की २५० वर्ष पुरानी प्रतिमा विराजित है

श्री भगवान महावीर मंगल कार्यालय

जालना में स्थित 'श्री भगवान महावीर मंगल कार्यालय' स्थानीय जैन समाज द्वारा

श्री भगवान महावीर मंगल कार्यालय

संचालित एक प्रमुख सामुदायिक और सांस्कृतिक केंद्र है,यह मुख्य रूप से बड़े आयोजनों और विवाह समारोहों के लिए उपयोग किया जाता है।

स्थापनाः इस मंगल कार्यालय की स्थापना वर्ष २०१८ में स्थानीय जैन श्री संघ द्वारा की गई थी। यहाँ आयोजनों के लिए ३ बड़े भव्य हॉल (सभागृह) उपलब्ध हैं।

बाहर से आने वाले मेहमानों के ठहरने के लिए ८ सुसज्जित कमरों की व्यवस्था है।

श्वेताम्बर परंपरा के कुल ५ शिखरबद्ध मंदिरों में से जूना जालना स्थित २२ वें तीर्थंकर नेमिनाथ को समर्पित जिनालय में विराजमान परमात्मा की दुर्लभ श्वेतवर्णिय प्रतिमा जी अति प्राचीन है और सदर बाजार स्थित सौभाग्यवर्धक अष्टम तीर्थंकर चंद्रप्रभु जी का मंदिर गाँव मंदिर

विद्यालय श्री अष्टम्बरमूर्तिपूजक चंद्रप्रभुजी मंदिर

के रूप में पुजनिय है और इसी प्रांगण मे १२ माह अखंडित रूप से आयम्बिल् शाला कार्यरत है, साथ ही प्रति रविवार श्री महावीर जैन खिचड़ी घर भी कार्यरत है, इसी क्रम में श्री धर्मनाथ जिनालय के प्रांगण में नूतन निर्मित दादावाडी, अल्प समय में निर्मित श्री शंखेश्वर पार्श्वनाथ मंदिर एवम् छत्रपति संभाजी नगर महामार्ग पर स्थित श्री श्रेयस्कर आदिनाथ विहार धाम नागेवाडी यहां स्थित है।

दिगम्बर परंपरा में ६ मंदिरो में से सदर बाजार स्थित तीर्थंकर श्रेयांसनाथ को समर्पित गाँव मंदिर है, साथ ही जूना जालना स्थित श्रेयगिरि का परिसर मनमोहक है, काद्रबाद स्थित मंदिर अति प्राचीन है और देवमूर्ति यहां आचार्य विराट सागर जी महाराज की अग्नि संस्कार भूमि पर नूतन जिनालय एवम् भवन निर्माण में है।

तीर्थंकर श्रेयांसनाथ मंदिर

श्वेताम्बर तेरापंथ परंपरा में सराफ बाज़ार स्थित तेरापंथ भवन से धर्म की प्रभावना होती है।

अजितनाथ मंदिर

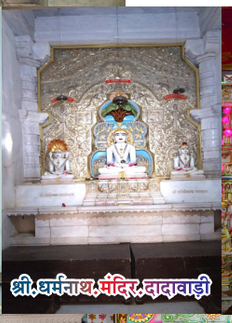
श्री धर्मनाथ मंदिर दादावाड़ी

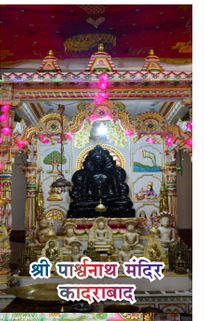
श्री पार्श्वनाथ मंदिर कादराबाद

श्री नेमिनाथ मंदिर कादराबाद

श्री पार्श्वनाथ अग्रवाल मंदिर कादराबाद

श्री आदिनाथ भगवान बेदी

जालना में अग्रवाल समाज

अग्रवाल समाज एक अत्यंत प्रभावशाली व्यापारिक और सामाजिक समुदाय है, इस समाज का इतिहास महाराजा अग्रसेन की शिक्षाओं—अहिंसा, समानता और समृद्धि पर आधारित है।

जालना में अग्रवाल समाज की प्रमुख संस्थाएं

जालना शहर में समुदाय के विकास और सामाजिक सेवा के लिए कई सक्रिय संगठन हैं:

अग्रवाल सेवा समिति: समाज के विभिन्न धार्मिक और सांस्कृतिक आयोजनों का प्रबंधन।

अग्रवाल महिला मण्डल और अग्रशक्ति बहु मण्डल: महिलाओं के सशक्तिकरण और गतिविधियों के लिए।

अग्रवाल युवा मंच और महाराजा अग्रसेन यूथ कमेटी: युवाओं के लिए सक्रिय संगठन।

अग्रसेन भवन ट्रस्ट: समुदाय के लिए सामाजिक स्थलों और धर्मशालाओं का संचालन।

अन्य समूह: गणगौर कमेटी, जय दादी परिवार, अग्र माधवी ग्रुप और

शिक्षा और स्वास्थ्य में योगदान

'जालना' में अग्रवाल समाज ने कई प्रतिष्ठित शिक्षण और स्वास्थ्य संस्थानों की स्थापना की है:

महाराजा अग्रसेन फाउंडेशन (मोदीखाना)

शैक्षणिक संस्थान: राष्ट्रीय हिन्दी विद्यालय, श्रीमती दानकुंवर हिन्दी कन्या विद्यालय, अनिल जिंदल वर्ल्ड स्कूल और बद्रीनारायण बारवाले महाविद्यालय।

स्वास्थ्य सेवाएं: श्री गणपति नेत्रालय (प्रसिद्ध नेत्र अस्पताल) और, ओम मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल।

महीको रिसर्च फाउंडेशन: कृषि और शोध के क्षेत्र में महत्वपूर्ण संस्थान।

जालना अग्रसेन भवन

'जालना' में अग्रसेन भवन (अग्रसेन फाउंडेशन) अग्रवाल समाज का एक प्रमुख केंद्र है, जो सामाजिक आयोजनों, विवाह समारोहों और समुदाय की गतिविधियों के लिए उपयोग किया जाता है।

जालना में माहेश्वरी समाज व भवन

महेश भवन

जालना में माहेश्वरी समाज द्वारा संचालित एक प्रमुख सामुदायिक भवन और अतिथि गृह है, यह मुख्य रूप से मांगलिक कार्यक्रमों (जैसे विवाह, सगाई) और यात्रियों के ठहरने के लिए उपयोग किया जाता है।

महेश भवन

माहेश्वरी भवन, अंबड

'अंबड' में स्थित यह भवन माहेश्वरी समाज का प्रमुख सामाजिक और सांस्कृतिक केंद्र है, यह स्थान स्थानीय समाज के कार्यक्रमों के साथ-साथ बाहरी यात्रियों के लिए भी एक सुरक्षित विकल्प है, यह भवन अंबड शहर के मुख्य क्षेत्र में वडीगोदरी - अंबड रोड या पैठण रोड के आसपास स्थित है, अंबड एक ऐतिहासिक स्थान है। इसलिए यह भवन शहर के प्रमुख व्यापारिक क्षेत्र के करीब है।

पीने के पानी और सफाई की अच्छी व्यवस्था। स्थानीय भोजन (Catering) के लिए रसोई घर और बड़ा डाइनिंग एरिया उपलब्ध है। नकटतम बड़ा शहर जालना (लगभग २८-३० किमी) है।

'अंबड' एक छोटा कस्बा है, इसलिए यहाँ की बुकिंग और कमरों की उपलब्धता के लिए आपको स्थानीय माहेश्वरी पंचायत या समाज के पदाधिकारियों से संपर्क करना होता है।

माहेश्वरी महिला मंडल:

'जालना' में माहेश्वरी महिला मंडल समाज की महिलाओं द्वारा संचालित एक सक्रिय संगठन है,मंडल की अधिकांश गतिविधियाँ और कार्यक्रम मुख्य महेश भवन में ही आयोजित किए जाते हैं।

ऐतिहासिक स्थलों और आध्यात्मिक महत्व के लिए
प्रसिद्ध जालना के इतिहास प्रकाशन पर
हार्दिक शुभकामनाएं

Sampat Ostwal

Mob: 9422217801

Sampatlal Ambalal Oswal

Railway Station Road, Jalna, Maharsahtra,
Bharat- 431203

भारत को केवल BHARAT ही बोला जाए अभियान में क्या आप सहयोग देना चाहते हैं तो संपर्क करें-9322307908

जालना, महाराष्ट्र में कई प्रमुख स्कूल कॉलेज

श्रीमती दानकुवर हिंदी कन्या विद्यालय

श्रीमती दानकुवर हिंदी कन्या विद्यालय जालना का एक प्रमुख और ऐतिहासिक शैक्षणिक संस्थान है, जो विशेष रूप से बालिकाओं की शिक्षा के लिए समर्पित है। स्थापना और इतिहास: इस संस्थान की स्थापना स्वर्गीय कुंदनलालजी अग्रवाल द्वारा अपनी माता श्रीमती दानकुवरमाताजी अग्रवाल की स्मृति में की गई थी। इसका प्राथमिक विभाग १९५८ में शुरू हुआ था, जो धीरे-धीरे हाई स्कूल और फिर जूनियर कॉलेज (१९८३) तक विस्तारित हुआ।

शिक्षा का माध्यम: यहाँ शिक्षा का मुख्य माध्यम हिंदी है।

कक्षाएं: यह विद्यालय कक्षा ५ से कक्षा १२ तक शिक्षा प्रदान करता है। इसमें माध्यमिक और उच्चतर माध्यमिक दोनों स्तर शामिल हैं।

प्रकार: यह केवल लड़कियों के लिए एक विद्यालय है। यह स्कूल राज्य बोर्ड से संबद्ध है।

स्थान और संपर्क

पता: दुर्गा माता रोड, मिशन हॉस्पिटल के सामने, पुराना जालना, महाराष्ट्र - ४३१२०३

आर्य हिंदी विद्यालय

इस स्कूल के बारे में कुछ मुख्य जानकारियाँ यहाँ दी गई हैं:

स्थापना और प्रबंधन: यह जालना के सबसे पुराने स्कूलों में से एक है, जिसे आर्य समाज द्वारा संचालित किया जाता है।

माध्यम और कक्षाएं: यहाँ शिक्षा का माध्यम हिंदी है और यह कक्षा १ से ७ (प्राथमिक और उच्च प्राथमिक) तक की शिक्षा प्रदान करता है।

प्रकार: यह एक सह-शिक्षा (Co-educational) स्कूल है, जहाँ लड़के और लड़कियाँ दोनों साथ पढ़ते हैं।

पुणे में आयोजित भव्यातिभव्य आपणों राजस्थान कार्यक्रम की अभूतपूर्व सफलता के लिए बधाईयां

Thakurdas Malani

Mob.: 9423912345

M/S. Thakurdas Sukhdevji Malani

Wholesale Distributor: CFA Organisation,
Amravati And Nagpur, Covering Vidarbha & Marathwada Also

Near: A.P.M.C, Sukhshri, Bhiwapurkar Nagar, Near New A,
Amrawati Tahsil, Amravati, Maharashtra, Bharat-444601

भारत को 'भारत' ही बोला जाए एक राष्ट्र-एक नाम 'भारत'

सुविधाएं: स्कूल की अपनी इमारत है जिसमें पर्याप्त कक्षाएं हैं।

छात्रों के लिए मध्याह्न भोजन (Mid-day Meal) की व्यवस्था है।

यहाँ एक लाइब्रेरी भी है, जिसमें लगभग २५० से अधिक पुस्तकें उपलब्ध हैं।

पता: डॉ. राजेंद्र प्रसाद रोड, नया बाज़ार, मोदीखाना, जालना, महाराष्ट्र - ४३१२०३

अनिल जिंदल वर्ल्ड स्कूल (AJWS)

अनिल जिंदल वर्ल्ड स्कूल जालना का एक प्रमुख CBSE बोर्ड स्कूल है जो अपनी आधुनिक शिक्षण पद्धति और सुविधाओं के लिए जाना जाता है।

मुख्य विवरण

संबद्धता (Affiliation): यह स्कूल CBSE से संबद्ध है (नंबर: ११३०५२६) और यहाँ शिक्षा का माध्यम अंग्रेजी है।

कक्षाएं: यहाँ नर्सरी से १०वीं कक्षा तक शिक्षा प्रदान की जाती है।

प्रबंधन: इसका संचालन अनिल जिंदल मेमोरियल फाउंडेशन द्वारा किया जाता है और इसकी स्थापना २०१० में हुई थी।

समय: सोमवार से शुक्रवार: सुबह ७:५५ से दोपहर ३:३० बजे तक।

शनिवार: सुबह ७:५५ से दोपहर १:३० बजे तक पाठ्यक्रम: स्कूल NCERT और XSeed पाठ्यक्रम का उपयोग करता है, जो रटने के बजाय अवधारणाओं को समझने पर जोर देता है.

तकनीकी शिक्षा: यहाँ छात्रों के लिए रोबोटिक्स लैब, कोडिंग और आधुनिक कंप्यूटर लैब की सुविधा है.

खेल सुविधाएं: फुटबॉल, बास्केटबॉल और क्रिकेट के **शेष पृष्ठ १९ पर...**

पृष्ठ १८ से ... लिए समर्पित मैदान हैं.

अन्य सुविधाएं: स्मार्ट क्लासरूम, डिजिटल लाइब्रेरी, कला गतिविधियों के लिए एम्फीथिएटर और परिवहन (बस) की सुविधा उपलब्ध है।

सेंट मैरी हाई स्कूल

जालना का सेंट मैरी हाई स्कूल (SMS) एक प्रतिष्ठित ईसाई अल्पसंख्यक शिक्षण संस्थान है, जिसे 'मिशनरीज ऑफ सेंट फ्रांसिस डी सेल्स' (Fransalians) द्वारा संचालित किया जाता है। यह स्कूल अपने अनुशासन और 'Knowledge for Service' (सेवा के लिए ज्ञान) के आदर्श वाक्य के लिए जाना जाता है।

संबद्धता : वर्तमान में यह CBSE (सीबीएसई) बोर्ड से संबद्ध है (२०१९ से पहले यह महाराष्ट्र स्टेट बोर्ड से जुड़ा था)।

कक्षाएं: यहाँ नर्सरी) से लेकर १०वीं कक्षा तक की शिक्षा दी जाती है।

माध्यम: शिक्षा का माध्यम पूरी तरह से अंग्रेजी है।

स्थापना: इस स्कूल की शुरुआत ११ जून १९७३ को हुई थी।

स्थान: यह देवलगाँव राजा रोड, कन्हैया नगर, जालना में स्थित है।

सुविधाएं

कैंपस: स्कूल का परिसर लगभग ४ एकड़ में फैला हुआ है, जिसमें बड़ा खेल का मैदान है।

पुस्तकालय: यहाँ ९,००० से अधिक पुस्तकों वाला एक समृद्ध पुस्तकालय है।

कंप्यूटर लैब: शिक्षण और सीखने के लिए ६५ कार्यात्मक कंप्यूटर उपलब्ध हैं।

गतिविधियाँ: स्कूल में गायन, खेल, सांस्कृतिक कार्यक्रम, ऋण और स्काउट गाइड जैसी गतिविधियों पर जोर दिया जाता है।

जवाहर नवोदय विद्यालय (JNV),

जवाहर नवोदय विद्यालय जालना एक प्रतिष्ठित केंद्र सरकार द्वारा संचालित सह-शिक्षा आवासीय विद्यालय है, जो अंबा-परतूर में स्थित है। इसकी स्थापना १९८७ में ग्रामीण क्षेत्रों के प्रतिभाशाली बच्चों को उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से की गई थी।

स्थान: अंबा-परतूर रोड, परतूर, जिला जालना, महाराष्ट्र - ४३१५०१।

बोर्ड: यह CBSE से संबद्ध है और यहाँ कक्षा ६ से १२ तक की शिक्षा दी जाती है।

प्रकार: यह पूरी तरह से आवासीय (Boarding) और मुफ्त शिक्षा देने वाला स्कूल है।

संचालन: इसे शिक्षा मंत्रालय के तहत 'नवोदय विद्यालय समिति' द्वारा प्रबंधित किया जाता है।

JNV में प्रवेश जवाहर नवोदय विद्यालय चयन परीक्षा (JNVST) के माध्यम से होता है:

कक्षा ६: छात्र को उसी जिले का निवासी होना चाहिए और कक्षा ५ उत्तीर्ण होना चाहिए। आयु सीमा सामान्यतः १०-१२ वर्ष के बीच होनी चाहिए।

कक्षा ९ और ११: यदि सीटें खाली हों, तो 'लैटरल एंट्री' परीक्षा के माध्यम से प्रवेश दिया जाता है।

आरक्षण: ग्रामीण क्षेत्र के छात्रों के लिए ७५% सीटें आरक्षित होती हैं। SC, ST, OBC और लड़कियों के लिए भी विशेष आरक्षण का प्रावधान है।

मुफ्त शिक्षा: ट्यूशन, किताबें, स्टेशनरी, यूनिफॉर्म और छात्रावास (Hostel) की सुविधा पूरी तरह से मुफ्त है।

आवास और भोजन: लड़कों और लड़कियों के लिए अलग-अलग छात्रावास और पौष्टिक भोजन के लिए मेस की व्यवस्था है।

प्रवासन योजना (Migration): राष्ट्रीय एकता को बढ़ावा देने के लिए कक्षा ९ के ३०% छात्रों को एक वर्ष के लिए गैर-हिंदी भाषी राज्यों के JNV में भेजा जाता है।

अन्य: खेल का मैदान, कंप्यूटर लैब, पुस्तकालय और सांस्कृतिक गतिविधियों (Music, Art) पर विशेष ध्यान दिया जाता है।

माई रिच डैड्स एकेडमी

माई रिच डैड्स एकेडमी जालना का एकमात्र ICSE बोर्ड से संबद्ध स्कूल है। २००९ में स्थापित यह स्कूल अपनी २३-२४ एकड़ की विशाल और हरी-भरी 'रिजॉर्ट जैसी' कैंपस के लिए प्रसिद्ध है।

बोर्ड: ICSE (कौंसिल फॉर द इंडियन स्कूल सर्टिफिकेट **शेष पृष्ठ २० पर...**

ऐतिहासिक स्थलों और आध्यात्मिक महत्व के लिए
प्रसिद्ध जालना के इतिहास प्रकाशन पर
हार्दिक शुभकामनाएं

श्री WIRE & NAIL

Rajeshji Kamad
Mob: 9422215401, 9011015401

Saket R. Kamad
Mob: 7030505650, 8055729900

Shree Steel Industries

Manufacturer | Trader

WE TRADE IN ALL TYPES OF STRUCTURAL STEEL PRODUCTS.

Mfg. Of: Nails | Chainlink | Agri. Equipments

A-9/29.Addl.MIDC, Jalna, Maharashtra, Bharat- 431203

पृष्ठ १९ से ... एग्जामिनेशंस)।

प्रकार: सह-शिक्षा (Co-ed), डे-बोर्डिंग और रेजिडेंशियल (आवासीय)।

कक्षाएं: प्लेग्रुप (Playgroup) से १०वीं कक्षा तक।

स्थान: रोहनवाड़ी रोड, मंथन बाईपास, जालना।

गार्डन क्लासरूम्स: भूतल) की कक्षाओं के साथ निजी बगीचे जुड़े हुए हैं ताकि छात्र प्रकृति के करीब रहकर सीख सकें।

अभिनव पाठ्यक्रम: यहाँ 'Abundance Mindset' (बहुतायत की मानसिकता) विकसित करने पर जोर दिया जाता है और 'Heal Your Life' जैसे कोचिंग प्रोग्राम्स भी शामिल हैं।

खेल: स्केटिंग, रोल बॉल, कराटे, बास्केटबॉल और कई ग्रामीण खेलों के लिए विशेष कोच और बुनियादी ढांचा है

वसंतराव नाइक नर्सिंग कॉलेज

जालना का वसंतराव नाइक कॉलेज ऑफ नर्सिंग नर्सिंग शिक्षा के लिए एक प्रतिष्ठित निजी संस्थान है। इसकी स्थापना २००७ में हुई थी और यह महाराष्ट्र स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय (MUHS), नाशिक से संबद्ध है।

पैरेंट हॉस्पिटल: कॉलेज का अपना दीपक हॉस्पिटल है, जो २३० बेड वाला एक मल्टी-स्पेशियलिटी अस्पताल है। छात्र यहाँ व्यावहारिक प्रशिक्षण (clinical training) प्राप्त करते हैं।

बुनियादी ढांचा: संस्थान में आधुनिक प्रयोगशालाएं (जैसे फंडामेंटल नर्सिंग, कम्युनिटी हेल्थ), एक विशाल पुस्तकालय और कंप्यूटर लैब की सुविधा है।

आवास: छात्रों के लिए कॉलेज परिसर में हॉस्टल और मेस की सुविधा उपलब्ध है।

पता: सैयद कॉलोनी, संजय नगर, पुराना जालना, जालना, महाराष्ट्र - ४३१२१३

इन्स्टिट्यूट ऑफ फार्मसी (J.E.S.)

जालना एजुकेशन सोसाइटी का इंस्टिट्यूट ऑफ फार्मेसी जालना के सबसे पुराने और प्रतिष्ठित फार्मेसी संस्थानों में से एक है। इसकी स्थापना 1986 में हुई थी और यह विशेष रूप से तकनीकी और चिकित्सा शिक्षा के क्षेत्र में अपनी पहचान रखता है।

यह संस्थान मुख्य रूप से फार्मेसी के निम्नलिखित कोर्स प्रदान करता है:

D.Pharma (डिप्लोमा इन फार्मेसी): यह २ साल का डिप्लोमा कोर्स है। इसमें प्रवेश के लिए १२वीं (Science - PCB/PCM) उत्तीर्ण होना अनिवार्य है।

B.Pharma (बैचलर ऑफ फार्मेसी): कुछ स्रोतों के अनुसार, यहाँ ४ साल का डिग्री कोर्स भी उपलब्ध है।

मान्यता: यह कॉलेज फार्मेसी काउंसिल ऑफ इंडिया (PCI) और AICTE द्वारा अनुमोदित है।

संबद्धता: यह महाराष्ट्र राज्य तकनीकी शिक्षा बोर्ड (MSBTE), मुंबई और डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर मराठवाड़ा विश्वविद्यालय से संबद्ध है।

प्रवेश प्रक्रिया: एडमिशन मुख्य रूप से योग्यता (Merit) के आधार पर या केंद्रीकृत प्रवेश प्रक्रिया (CAP) के माध्यम से होते हैं।

संस्थान के पास आधुनिक बुनियादी ढांचा है, जिसमें शामिल हैं:

सुसज्जित फार्मास्युटिकल लैब और कंप्यूटर लैब।

समृद्ध पुस्तकालय (Library) और ऑडिटोरियम।

खेल और सांस्कृतिक गतिविधियों के लिए सुविधाएं।

पता: J.E.S. कॉलेज कैंपस, दुर्गामाता रोड, जालना, महाराष्ट्र ४३१२०३।

ऐतिहासिक स्थलों और आध्यात्मिक महत्व के लिए
प्रसिद्ध जालना के इतिहास प्रकाशन पर हार्दिक शुभकामनाएं

Sanjay K. Rathi
Mob: 9923455817
Managing Director

WORLD CLASS PREMIUM QUALITY COTTON
LAXMI

LAXMI COTSPIN LIMITED
(Star Export House & NSE Listed Company)

Gat No 399, Samangaon Kajla Road,
In front of Meenatai Thakare Vridhashram,
Ambad Road, Samangaon Tq and Jalna,
Maharashtra, Bharat- 431203

आइये हम सभी 'जय भारत' से अपने सुधिजनों का अभिवादन करें। जय भारत!

माळचा गणपती

महाराष्ट्र के जालना में 'श्री अनोखा गणेश मंडल' द्वारा स्थापित १०८ किलो चांदी और सोने की परत वाली गणपति की भव्य मूर्ति चर्चा का विषय बनी हुई है। लगभग दो करोड़ रुपये की लागत से बनी यह प्रतिमा 'जालना' के भक्तों के लिए विशेष आकर्षण है, जिसे देखने के लिए भारी भीड़ उमड़ रही है।

माळाचा गणपती, जालना के बारे में मुख्य बातें:

स्थान: यह प्रसिद्ध मंदिर 'जालना' से लगभग १५ किमी दूर स्थित है, जिसे माळाचा गणपती संस्थान के रूप में जाना जाता है।

इतिहास: इस मंदिर की स्थापना श्री रंगनाथ महाराज ने की थी।

विशेषता: यह स्थान जिले में एक प्रमुख धार्मिक केंद्र है।

राजस्थान स्थापना दिवस आपणो राजस्थान 30 मार्च पुणे महाराष्ट्र २०२६

पुणे में आयोजित भव्यातिभव्य आपणों राजस्थान कार्यक्रम की अभूतपूर्व सफलता के लिए बधाईयां

UMESH BAHETI
Mob: 9831335891 / 9330750761

DHANYA INDRANI TRADECOM PVT. LTD
Manufacturer of Door & Window Rollers

10, Phears Lane, 1st floor, Kolkata 72 Factory: P-199, Benaras Road, Netajinagar, Howrah, West Bengal, Bharat- 711108

ऐतिहासिक स्थलों और आध्यात्मिक महत्व के लिए प्रसिद्ध जालना के इतिहास प्रकाशन पर हार्दिक शुभकामनाएं

Nareshkumar M. Gupta.
Mob: 9822188994

Laxmi super Sopee.

Bhokerdan Road, Near Ashtha Hospital,
Jalna, Maharashtra, Bharat- 431203

सिंधखेड़ (बुलढाणा)

सिंधखेड़ जिसे आमतौर पर सिंधखेड़ राजा के नाम से जाना जाता है, महाराष्ट्र के बुलढाणा जिले में स्थित एक ऐतिहासिक कस्बा और तहसील है। यह स्थान छत्रपति शिवाजी महाराज की माता, राजमाता जीजाबाई का जन्मस्थान होने के कारण अत्यंत प्रसिद्ध है।

जीजाबाई निज़ामशाही दरबार के शक्तिशाली सरदार लखुजी राजे जाधव की पुत्री थीं, जिनका मुख्यालय सिंधखेड़ में था।

यहाँ भव्य भुइकोट महल, लखुजी राजे जाधव की समाधि और कई प्राचीन मंदिर व बावड़ियाँ (जैसे मोति तलाव) स्थित हैं जो पर्यटकों और इतिहास प्रेमियों को आकर्षित करते हैं।

प्रशासनिक और भौगोलिक जानकारी यह महाराष्ट्र के बुलढाणा जिले के अंतर्गत आता है। यहाँ एक विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र भी है, जो बुलढाणा लोकसभा क्षेत्र का हिस्सा है। अधिक जानकारी के लिए आप बुलढाणा जिले की आधिकारिक वेबसाइट देख सकते हैं

मैं भारत के प्रबुद्ध पाठक हुए सम्मानित

'जीतो' पुणे द्वारा आयोजित सामाजिक व सांस्कृतिक कार्यों के लिए सम्मानित किए गए 'मैं भारत हूँ' पत्रिका के प्रबुद्ध पाठक एडवोकेट अभय छाजेड़ साथ है राजकुमारजी चोरडिया, राजेंद्रजी मुथा, दीना धारीवाल और जयेश संचेती।

-डॉ. अशोक पगारिया

कृपया मुझे INDIA ना बोलें क्योंकि
मैं भारत हूँ

संपतलाल ओस्तवाल
व्यवसायी व समाजसेवी
नागौर निवासी-जालना प्रवासी
भ्रमणध्वनिः ९४२२२१७८०१

संपतलाल जी अपनी कर्मभूमि 'जालना' की विशेषताओं का उल्लेख करते हुए कहते हैं कि पिछले ४० सालों में 'जालना' पूरी तरह से परिवर्तित हो गया है, पहले यह छोटा सा कस्बा था, असीमित क्षेत्रफल में बसा हुआ था, आज यह बड़ा शहर बन चुका है, हर तरह की सुविधाएं हैं। 'जालाना' के चारों दिशाओं में चार एमआईडीसी है, यहां की स्टील इंडस्ट्री व सीड्स इंडस्ट्री बड़े पैमाने पर कार्यरत है, जो देश ही नहीं विदेशों से भी संलग्न हैं। राजस्थानी समाज के अधिकतर लोग कारोबार से ही जुड़े हैं। यहां का सामाजिक वातावरण बहुत ही उत्तम है, हर धर्म व समाज के लोग बसे हुए हैं। राजस्थानी परिवारों का हर क्षेत्र में वर्चस्व है और हर समाज की अपनी-अपनी सामाजिक संस्थाएं, मंदिर, भवन बने हुए हैं। महेश भवन, अग्रसेन भवन, भगवान विश्वकर्मा जी का मंदिर, जैन मंदिर, जैन स्थानक भी बने हुए हैं, यहां जांगिड़-सुथार समाज के लगभग ९० परिवार बसे हुए हैं, सभी के द्वारा मिलकर भगवान विश्वकर्मा जयंती बड़े ही धूमधाम से मनायी जाती है। स्थानीय क्षेत्र की बात की जाए तो यहां का गुरु गणेश भवन बहुत ही भव्य और विशाल क्षेत्रफल में बसा हुआ है, जहां रहने ठहरने की उत्तम व्यवस्था है। जैन समाज के लिए यह तीर्थ स्वरूप है, इसके अलावा मम्मा देवी का मंदिर,दुर्गा देवी का मंदिर,राजुर गणपती,पंचमुखी महादेव मंदिर दत्त आश्रम जैसे कई धार्मिक स्थान प्रसिद्ध हैं। 'जालना' में कई गौशालाएं हैं, जिसमें कुछ जैन समाज द्वारा भी संचालित है, ऐसी और कई विशेषताएं हैं हमारे 'जालना' में...

गाय हमारे लिए पूजनीय है, उनकी सेवा और सुरक्षा सबसे पहले जरूरी है।

'भारत को केवल 'भारत' ही बोला जाए' INDIA नहीं, एक राष्ट्र-एक नाम केवल 'भारत' राष्ट्रीय अभियान के संदर्भ में आपका कहना है कि निश्चित रूप से अपने देश का एक नाम ही रहना चाहिए 'भारत'!

संपतलाल जी मूलतः राजस्थान के नागौर जिले में स्थित 'गोठन' के निवासी हैं। आपका जन्म व शिक्षा यहीं संपन्न हुई है। विगत ४० सालों से आप 'जालना' महाराष्ट्र में बसे हैं और कारोबार से जुड़े हैं। जय गौमाता! जय भारत!

-मैं भारत हूँ

प्रकाशचंद्र हरिनारायण मंत्री
सचिव वरिष्ठ नागरिक संगठन जालना
मेड़ता सिटी निवासी-जालना प्रवासी
भ्रमणध्वनिः ९४२०४६१५०१

प्रकाशचंद्र जी अपनी जन्मभूमि व कर्मभूमि 'जालना' की विशेषताओं का उल्लेख करते हुए कहते है कि 'जालना सोने का पालना' में पहले और आज में जमीन आसमान का फर्क आ गया है, इतिहास में 'जालना' का नाम मराठा व मुगल साम्राज्य के समय उल्लेखनीय है। यहां का व्यापार पेठ कालांतर में निजाम शाही के समय से ही एक महत्वपुर्ण रहा है। सीना व कुंडलिका नदी के तट पर बसा यह व्यापारिक शहर बहुत ही छोटे क्षेत्रफल के साथ एक तहसील था। भारत की आजादी व निजामशाही से मराठवाडा मुक्ती संग्राम में यहाँ के लोगों का एक महत्वपूर्ण योगदान रहा है। आजादी के पश्चात टांगा व साइकलों पर चलने वालों के शहर को सन १९८२ में जिले की पहचान मिली और आठ तहसीलों वाले इस 'जालना' जिले ने प्रगती की और कदम बढाया। सन १९९० का दशक आते आते 'जालना' शहर में भी औद्योगिक क्रांती आ गई। नये-नये स्टील (लोहे) कारखाने, मशिनरी पार्टस, फेब्रिकेशन व तेल के साथ अन्य उद्योग 'जालना' नगरी में अपने पैर जमाने लगे। भारत के हरीतक्रांती के समय में ही 'बीज-बीजवाई' में योगदान दे रहा यह शहर, कांलातर में कृषि क्षेत्र में सोयाबीन, कपास, फल-सब्जीयों के लिए राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय' सीड्स हब बन गया। आज भी 'जालना' शहर की कई कंपनियां उत्तम दर्जे के बीज-बीजबाई उपलब्ध करके कृषीक्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान दे रहे हैं। 'जालना' शहर का लोहे का सलिया आज भारत के सभी राज्यों तक पहुंचकर देश के इंफ्रास्ट्रक्चर विकास में योगदान दे रहा हैं। 'जालना' शहर ने किसानों के लिए भी एक उत्तम बाजार उपलब्ध कराया है। यहां की अनाज मंडी में आज भी कई जिलों व राज्यों की उपज आती है तथा अनाज विक्री भी होता है। कालांतर में 'जालना' शहर का कपड़ा उद्योग भी किसी से छुपा नहीं, यहाँ के होलसेल व रिटेल मार्केट ने पूरे क्षेत्र में अपनी विशेष छाप छोड़ी है।

किसी समय पर पारसी समाज ने दिए योगदान को आज मारवाडी, गुजराती, जैन, पंजाबी, सिंधी व मराठा समाज विकास के पथ पर शहरों को अग्रसर कर रहा है। इस शहर के स्थानिक लोगों की अपनी सुझबुझ से किए कई उद्योगों की वजह से यहाँ महाराष्ट्र व देश के कई **शेष पृष्ठ २३ पर...**

आइये हम सभी 'जय भारत' से अपने सुधिजनों का अभिवादन करें। जय भारत!

पृष्ठ २२ से... अन्य राज्यों के लाखों कामगारों को रोजगार उपलब्ध हुए हैं।

पिछले ७० वर्षो से शैक्षणिक क्षेत्र में भी यहाँ के राजस्थानी समाज द्वारा 'जालना एजुकेशन सोसाइटी' का योगदान अभुतपूर्व है, इसके अलावा 'जालना' शहर में शासकीय तंत्र निकेतन, मत्सोयदरी अभियांत्रिकी, इंस्टीट्यूट ऑफ केमीकल, मुंबई (ICT) मराठवाडा कैंपस व शासकीय वैद्यकीय महाविद्यालय भी शिक्षा क्षेत्र में उत्तम योगदान दे रहे हैं। यहाँ से शिक्षित विद्यार्थी आज भी देश-विदेश के भिन्न भिन्न क्षेत्रों व शहर का नाम रोशन कर रहें हैं।

'जालना' शहर के सर्वांगीण विकास के लिए सामाजिक विकास भी महत्वपूर्ण हैं, यहाँ सभी धर्मो व समाज के लोग मिलजुल कर सामाजिक विकास के लिए कटिबद्ध हैं, खासकर जैन समाज, माहेश्वरी समाज, अग्रवाल समाज व अन्य समाज के आपसी तालमेल में यहाँ भिन्न भिन्न प्रकार के शैक्षणिक, सामाजिक, औद्योगिक व धार्मिक कार्यक्रमों की संख्या उल्लेखनीय हैं। ३.५ लाख जनसंख्या वाले इस शहर में माहेश्वरी समाज के लगभग १५०० परिवार निवास करते हैं। यहाँ समाज द्वारा स्थापित एक महेश भवन है और एक नए भव्य माहेश्वरी भवन निर्माण का समाज द्वारा प्रयोजन है।.

हर क्षेत्र में अग्रसर रहने वाला यह शहर धार्मिक क्षेत्र में भी अग्रसर हैं, यहाँ ममादेवी मंदिर, राजुर महागणपती मंदिर, मस्योदरी माता मंदिर, दुर्गा माता मंदिर, बालाजी मंदिर, आनंदस्वामी मंदिर, श्रीराम मंदिर, श्री दत्त आश्रम व इतर कई धार्मिक क्षेत्रों का विकास यहाँ के लोगों ने लोक सहभाग से किया है, यहाँ के मुख्य त्योहारों में नवरात्र व दशहरा उत्सव दिपावली व नववर्ष उत्सव, गणेश उत्सव व महालक्ष्मी उत्सव, श्रीराम नवमी व हनुमान जन्मोत्सव, मकरसंक्रात, आषाढ़ी एकादशी उत्सव यात्रा व गणगौर उत्सव मेला बड़े ही धुमधाम से मनाया जाता है। गणेश उत्सव में यहां के युवाओं का योगदान उल्लेखनीय है, इस समय पर की जानेवाली सामाजिक व धार्मिक झाकीयाँ को देखने कई लाखों लोग आते हैं, यहाँ के हर समाज के लोगों के मन में अन्नदान भंडारा की भावना बसी हुई है, जिससे हर धार्मिक उत्सव में चार-चाँद लग जाते हैं। श्रीक्षेत्र राजुर महागणपति जालना शहर से २५ किलोमीटर की दुरी पर है, वहाँ पैदल यात्रा द्वारा हर चतुर्थी को लाखों भाविक दर्शन का लाभ लेते हैं, यहाँ पर वर्षों से कार्यरत कई गौशाला गौमाता के संरक्षण का उल्लेखनीय कार्य कर रही हैं। जैन समाज के श्री गुरु गणेश महाराज की समाधी पर उनकी पुण्यतिथी पर देशभर के लाखों श्रद्धालु दर्शन हेतु आते हैं। यह शहर सिर्फ शहर नहीं, यहाँ के लोगों के रोम-रोम में बसता है सनातनी और सकल सनातनी समाज द्वारा आयोजित हर कार्यक्रम में देखा जा सकता है कि यहां के नागरिकों में राष्ट्रीय प्रेम, राष्ट्रीयता सर्वोपरि है। जय गौमाता! जय भारत!

प्रकाशचंद जी के पूर्वज मूलतः राजस्थान के 'मेडता सिटी' के निवासी थे, जो जालना जिले के 'घनसांगवी' तहसील के राणी उचेगांव में आकर बसे थे। आपका जन्म व संपूर्ण शिक्षा इसी शहर में हुई है। आप यहाँ के कृषीक्षेत्र में कृषी औजार व मशिनरी निर्माण कर उल्लेखनीय योगदान दे रहे हैं, वैसे ही फुड मशीनरी सप्लाई का भी काम संपुर्ण महाराष्ट्र में कर रहे है। आप सामाजिक, औद्योगिक व धार्मिक क्षेत्रों के कार्य में अग्रसर हैं। वरिष्ठ नागरिक संगठन के सचिव पद पर भी कार्यरत है। जय गौमाता, जय भारत!

-मैं भारत हूँ

अजीत चतुर्भुज छाबड़ा

अध्यक्ष श्रेयांशनाथ दिगम्बर जैन मंदिर ट्रस्ट

कालू निवासी-जालना प्रवासी

भ्रमणध्वनिः ९४२३१५६०२५

अजीत जी अपनी जन्मभूमि व कर्मभूमि 'जालना' की विशेषताओं का उल्लेख करते हुए कहते हैं कि दिन प्रतिदिन 'जालना' का विकास हो रहा है, लोगों के रहन-सहन का स्तर बढ़ा है, शिक्षा की सुविधा भी पहले से अच्छी हो गई है। आवागमन के साधन अच्छे हो गए हैं, लोगों ने अपने-अपने तरीके से उन्नति प्राप्त की है और 'जालना' के भी विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, यहां का सामाजिक माहौल बहुत है उत्तम है, हर धर्म समाज के लोग बसे हुए हैं, सभी के बीच आपसी तालमेल बहुत ही उत्तम है, यहां राजस्थानी समाज की कई संस्थाएं कार्यरत हैं। 'जालना' में राजस्थानी समाज द्वारा 'जालना एजुकेशन सोसाइटी' का निर्माण किया गया है, जिसके अंतर्गत कई विद्यालय व महाविद्यालय संचालित हैं, दूसरा जैन समाज द्वारा गणेश भवन, जो श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ द्वारा संचालित है के अंतर्गत भी तीन विद्यालय कार्यरत हैं, इसके अतिरिक्त राष्ट्रीय हिंदी महाविद्यालय व दानकुंवर महिला महाविद्यालय भी राजस्थानी समाज द्वारा निर्मित किया गया है। शिक्षा के साथ-साथ व्यावसायिक क्षेत्र में भी राजस्थानी समाज का वर्चस्व है। 'जालना' की अर्थव्यवस्था मुख्यतः बीज, स्टील और अनाज मंडी पर निर्भर है, जिसके लिए 'जालना' प्रसिद्ध है। 'जालना' हमेशा से ही व्यापार का केंद्र रहा है, पहले यहां की अनाज मंडी पूरे भारत में विख्यात थी, व्यापारी यहीं से व्यापार करते थे, तत्पश्चात उत्तम गुणवत्ता के बीज का व्यापार होने लगा और आज यहां रिरोलिंग मिल व टीएमटी लोहा निर्माण के कई प्लांट्स लगे हुए हैं, यहां के उद्यमियों ने अपने बलबूते पर स्टील मार्केट का निर्माण किया है, जिसके लिए आज 'जालना' पूरे विश्व में जाना जाता है। 'जालना' शहर की बात की जाए तो यहां का पूरा मार्केट राजस्थानी समाज के हाथों में है और तहसीलों की बात की जाए तो यहां के स्थानीय निवासियों का वर्चस्व है। जैन समाज की बात की जाए तो यहां जैन समाज को तीन वर्गो में बांटा जा सकता है, पहले मराठी भाषी समाज जिनके गुरु आनंद स्वामी जी हैं, जुना जालना में उनकी समाधि स्थल है, दूसरा श्वेताम्बर समाज में कर्नाटक गजकेसरी घोर तपस्वी गुरु गणेश लाल जी महाराज की समाधि स्थल है जो गुरु गणेश धाम के नाम से जाना जाता है, जो बहुत बड़े भूभाग में फैला है। तीसरा दिगम्बर जैन समाज के गणाचार्य विराग सागर जी म.सा. जी की एक वर्ष पूर्व समाधि 'जालना' में हुई थी उस देवमूर्ति ग्राम में विराग अक्षय समाधि तीर्थ का निर्माण किया गया है।

यहां के धार्मिक स्थान में राजूर गणपति का मुख्य स्थान माना गया है, इसके अलावा अन्य कई देवी-देवताओं के भी मंदिर है। **शेष पृष्ठ २४ पर...**

पृष्ठ २३ से... 'जालना' जिले में दो अतिशय क्षेत्र भी हैं, जालना की सीना नदी मुख्य नदी के रूप में जानी जाती है और यहां के 'घानेवाडी' निजाम कालीन डैम है, जहां से पीने का पानी पूरे 'जालना' में भेजा जाता है। 'जालना' में कई गौशालाएं संचालित हैं, यहां की सबसे बड़ी गौरक्षण पांजरापोल है, जिसमें राजस्थानी समाज का बड़ा योगदान है और भी कई विशेषताएं हैं हमारे 'जालना' में...

गाय को 'राष्ट्रमाता' का सम्मान अवश्य मिलना चाहिए, पहले महाराष्ट्र में गवली समाज द्वारा गायों का पालन पोषण व संरक्षण होता था, जिससे वे धन अर्जन भी करते थे, आज भी कई संस्थाएं कार्यरत हैं जो गायों से मिलने वाले पदार्थ का व्यापार कर रहे हैं। गायों की सेवा सुरक्षा सबसे जरूरी है।

'भारत को केवल 'भारत' ही बोला जाए' INDIA नहीं, एक राष्ट्र-एक नाम केवल 'भारत' राष्ट्रीय अभियान के संदर्भ में आपका कहना है कि निश्चित रूप से अपने देश का नाम केवल 'भारत' ही रहना चाहिए।

अजीत जी के पूर्वज मूलतः राजस्थान के सीकर जिले में स्थित 'कालू' के निवासी थे, आपका परिवार पांच पीढ़ियों से महाराष्ट्र के 'जालना' में बसा हुआ है। आपका जन्म व शिक्षा यहीं संपन्न हुई है, यहां आप कारोबार से जुड़े हैं, साथ ही कई सामाजिक संस्थाओं में सक्रिय हैं। श्रेयांशनाथ दिगम्बर जैन मंदिर ट्रस्ट जालना के अध्यक्ष हैं, जिसके अंतर्गत 'जालना' के दिगम्बर जैन पंथ के सात मंदिर जुड़े हैं। विराग अक्षय समाधि तीर्थ ट्रस्ट के महामंत्री पद पर कार्यरत हैं, अन्य कई संस्थानों से भी जुड़े हैं। जय गौमाता! जय भारत! **-मैं भारत हूँ**

भरत बिंजराज गादिया

उपाध्यक्ष गुरु गणेश धाम जालना

पाली निवासी-जालना प्रवासी

भ्रमणध्वनि: ९८२३०५८३४५

भरत जी अपनी जन्मभूमि व कर्मभूमि 'जालना' की विशेषताओं का उल्लेख करते हुए कहते हैं कि 'जालना' एक बहुत ही सुंदर और सौहार्दपूर्ण वातावरण वाला क्षेत्र है, यहां का सामाजिक माहौल बहुत ही उत्तम है, लोगों का एक दूसरे से जुड़ाव है, लोगों में मैत्री भावनाएं व्याप्त हैं। पहले लोग एक-दूसरे के सुख-दुख में साथ खड़े रहते थे, पर समय परिवर्तन के साथ इसमें भी कुछ बदलाव हुआ है, पर आज भी राजस्थानी समाज का एक दूसरे से अच्छा मेल-मिलाप है,यहां राजस्थानी समाज के कई सामाजिक संस्थाएं, मंदिर, भवन कार्यरत हैं। एक समय ऐसा था जब मारवाड़ी समाज का उद्योग व्यापार, शिक्षा, धार्मिकता सामाजिकता हर क्षेत्र में दबदबा था। यहां की अर्थव्यवस्था मुख्यतः स्टील उद्योग और सीड्स उद्योग पर आधारित है, जिसके लिए 'जालना' हमेशा से ही विख्यात रहा है, पहले के समय 'जालना' अनाज मंडी के लिए, उसके बाद बीज उद्योग के लिए तथा इसके बाद कपड़ा उद्योग के लिए जाना जाता था, पर आज 'जालना' स्टील इंडस्ट्रीज के लिए मुख्य रूप से जाना जाता है, यहां कई बड़ी-बड़ी नामी कंपनियां स्थापित हैं, जिनका संबंध अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी है, जिसके कारण यहां की अर्थव्यवस्था को बहुत बढ़ावा मिला है। शिक्षा और चिकित्सा के क्षेत्र में यहां जालना एजुकेशन सोसाइटी का निर्माण किया गया है, जिसके अंतर्गत कई विद्यालय और महाविद्यालय संचालित हैं, इसके अतिरिक्त मत्स्योदरी इंजीनियरिंग कॉलेज, गणपति नेत्रालय जैसे कई सामाजिक व शैक्षणिक संस्थाएं हैं, जो राजस्थानी समाज द्वारा स्थापित किए गए हैं। धार्मिक दृष्टिकोण से भी यह क्षेत्र बहुत ही महत्वपूर्ण है, विशेषकर यहां स्थानकवासी जैन समाज के कर्नाटक गजकेसरी आचार्य गुरु गणेश जी की समाधि स्थल है, जो गुरु गणेश धाम के नाम से विख्यात है, इसके अंतर्गत विद्यालय और गौशालाएं संचालित हैं, गौशाला में लगभग ३००० गौवंश हैं, गुरु गणेश भवन को राज्य सरकार द्वारा २००९ में तीर्थ क्षेत्र घोषित किया गया है, यहां विशेष रूप से कर्नाटक व दक्षिण भारत से लोग दर्शन के लिए आते हैं, यह एक धार्मिक संस्था के साथ-साथ शैक्षणिक संस्था भी है, यहां श्रद्धालुओं के रहने ठहरने की भी उत्तम व्यवस्था है, चंद्रप्रभु जैन मंदिर १५० वर्ष पुराना है। यहां के धार्मिक स्थानों की बात की जाए तो राजुर गणपती, राम मंदिर, हनुमान मंदिर व अन्य कई देवी-देवताओं के मंदिर हैं। जैन समाज के भी कई मंदिर बने हैं, यहां से कुछ किलोमीटर दूरी पर सिंह खेड़ा राजा नामक स्थान माता जीजाबाई का जन्म स्थान है, यहीं पर छत्रपति शिवाजी महाराज का जन्म हुआ था, जो शिव सृष्टि के नाम से जाना जाता है और भी कई धार्मिक और पर्यटन स्थल हैं, 'जालना' में कई गौशालाएं भी संचालित हैं, जिसमें अधिकतर गौशाला जैन व राजस्थानी समाज के द्वारा संचालित हैं, ऐसी कई विशेषताएं हैं हमारे 'जालना' में...

गाय को 'राष्ट्रमाता' का सम्मान निश्चित रूप से मिलना चाहिए, क्योंकि गाय सृष्टि का एक एकमात्र ऐसा प्राणी है, जिससे मनुष्य को कोई नुकसान नहीं होता, उल्टा गाय से मिलने वाली प्रत्येक वस्तु मानव जीवन के लिए अमृत के समान है, आज गाय के गोबर व मूत्र से कई वस्तुओं का निर्माण किया जा रहा है, जिसकी राष्ट्रीय अंतरराष्ट्रीय मार्केट में मांग भी है, इसीलिए गाय की सेवा और सुरक्षा करना बहुत जरूरी है।

'भारत को केवल 'भारत' ही बोला जाए' INDIA नहीं, एक राष्ट्र-एक नाम केवल 'भारत' राष्ट्रीय अभियान के संदर्भ में आपका कहना है कि इसमें कोई दो राय नहीं कि अपने देश का नाम एक ही रहना चाहिए 'भारत'! भारत संस्कृति व सभ्यता का प्रतीक है, यह संतों महापुरुषों की भूमि है, 'भारत' का उज्जवल भविष्य इसी नाम में है, अतः हर भाषा में अपने देश का नाम केवल 'भारत' ही रहना चाहिए।

भरत जी मूलतः राजस्थान के पाली जिले में स्थित 'मोहरा बासियां (सोजत ब्यावर रोड)' के निवासी हैं। आपका जन्म व सम्पूर्ण शिक्षा 'जालना' में ही संपन्न हुई है, यहां आप आभूषणों के कारोबार से जुड़े हैं, साथ ही सामाजिक क्षेत्र में भी सक्रिय रहते हैं। गुरु गणेश धाम के उपाध्यक्ष हैं, रोटरी क्लब के भी वाइस चांसलर रहे हैं। सराफा एसोसिएशन जालना के अध्यक्ष पद पर सक्रिय हैं। जय गौमाता! जय भारत! **-मैं भारत हूँ**

आइये हम सभी 'जय भारत' से अपने सुधिजनों का अभिवादन करें। जय भारत!

सतीष सीतारामजी पंच

अध्यक्ष जालना व्यापारी महासंघ

नागौर निवासी-जालना प्रवासी

भ्रमणध्वनि: ९४२२२१५९८२

सतीश जी अपनी जन्मभूमि व कर्मभूमि 'जालना' की विशेषताओं का उल्लेख करते हुए कहते हैं कि 'जालना' हमेशा से ही व्यापारिक केंद्र रहा है और यह व्यापारिक केंद्र किसी सरकारी मदद से नहीं बल्कि स्थानीय लोगों के मेहनत और आपसी सहयोग से 'जालना' व्यापारिक केंद्र बना है, इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट भी हुआ है। विशेषकर 'जालना' सरिया निर्माण में विश्व में स्थान रखता है, इसके अलावा 'जालना' की सीड्स इंडस्ट्रीज भी बहुत प्रसिद्ध है, पहले यहां तेल, दाल, किराना का कारोबार बड़े पैमाने पर होता था, यहां की अनाज मंडी बहुत बड़ी है, आसपास के क्षेत्र से भी लोग व्यापार के लिए है यहां आना पसंद करते हैं।

सामाजिक दृष्टिकोण से भी 'जालना' बहुत ही उत्तम है, हर धर्म-समाज के लोग बसे हैं, लोगों में आपसी प्रेम व्यवहार अच्छा है, यहां अग्रवाल समाज के लगभग ९०० परिवार बसे हैं और दो अग्रसेन भवन हैं, समाज द्वारा यहां खाटू श्याम जी का मंदिर, राणी सती दादी मंदिर बना है, सालासर बालाजी का मंदिर निर्माणाधीन है। धार्मिक क्षेत्र की बात की जाए तो मम्मा देवी यहां के स्थानीय देवी के रूप में जानी जाती है, इसके अलावा पंचमुखी महादेव का मंदिर, २० किलोमीटर पर राजुर गणपती जागृति देवस्थान और मत्स्योदरी देवी का मंदिर उल्लेखनीय है, इसके अलावा जैन समाज का भी यह प्रमुख धार्मिक केंद्र गुरु गणेश धाम बना हुआ है, जो गुरु गणेश जी का स्मरण स्थल है, यहां बहुत बड़ी गौशाला भी है, जिसमें गोवंश की संख्या लगभग २००० के करीब है और चैरिटेबल ट्रस्ट पांजरापोल नामक गौशाला भी है, जिसमें लगभग डेढ़ हजार गौ वंश है, इसके अलावा भी कई छोटी-बड़ी गौशाला हैं और भी कई विशेषताएं हैं हमारे 'जालना' में....

गाय को 'राष्ट्रमाता' का सम्मान अवश्य मिलना चाहिए, हमारे लिए तो गाय माता के समान हीं है, सनातन संस्कृति में गाय को प्रमुख स्थान दिया गया है, इसलिए हम उनकी पूजा करते हैं, सरकार द्वारा यदि मान्यता नहीं मिलती है तो भी हमें उनकी सेवा और सुरक्षा करनी चाहिए।

'भारत को केवल 'भारत' ही बोला जाए' INDIA नहीं, एक राष्ट्र-एक नाम केवल 'भारत' राष्ट्रीय अभियान के संदर्भ में आपका कहना है कि निश्चित रूप से अपने देश का एक ही नाम, एक ही पहचान रहनी चाहिए 'भारत', यही नाम हमारे देश की वास्तविकता है।

सतीश जी मूलत: राजस्थान के कुचामन में स्थित 'निमोद' गांव के निवासी हैं, आपका परिवार कई वर्षों से महाराष्ट्र के 'जालना' में बसा हुआ है, आपका जन्म और शिक्षा यहीं संपन्न हुई है, यहां आप कारोबार से जुड़े हैं, साथ ही सामाजिक क्षेत्र में भी सक्रिय रहते हैं, कन्फेडेरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कॅट) के प्रदेश उपाध्यक्ष, व्यापारी महासंघ जिला जालना के अध्यक्ष, होलसेल किराणा मर्चेंट असोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष तथा विद्यमान संचालक जालना पिपल्स को-ऑप बैंक व जिला ग्राहक संस्था परिषद के अशासकिय सदस्य के रूप में सेवाएं दे रहे हैं। जय गौमाता! जय भारत! **-मैं भारत हूँ**

अशोक लोहिया

व्यवसायी व समाजसेवी

अजमेर निवासी-जालना प्रवासी

भ्रमणध्वनि: ९४२२३७८५९२

अशोक जी अपनी जन्मभूमि व कर्मभूमि 'जालना' की विशेषताओं का उल्लेख करते हुए कहते हैं कि पहले और आज के 'जालना' में बहुत अंतर आ गया है, समय के अनुसार यहां भी काफी विकास हुआ है, आज 'जालना' आर्थिक रूप से सक्षम है, जो अपने उद्योग और कृषि क्षेत्र के लिए जाना जाता है। 'जालना' में तीन फेस में एमआईडीसी है पर यह सीमित क्षेत्रफल में है, यहां का कृषि क्षेत्र भी उत्तम है। कपास, गन्ना, सोयाबीन जैसे फसलों की पैदावार अधिक होती है, उनसे जुड़े कई कारखाने भी यहां मौजूद है। राजस्थानी समाज के अधिकतर लोग कारोबार से ही जुड़े हैं, 'जालना' का सामाजिक माहौल बहुत ही उत्तम है, हर धर्म समाज के लोग बसे हुए हैं, सभी के बीच आपसी मेल-मिलाप उत्तम है, यहां माहेश्वरी समाज के हजारों परिवार बसे हुए हैं, समाज द्वारा यहां महेश्वरी भवन भी बना हुआ है, धार्मिक दृष्टिकोण से भी यह क्षेत्र उत्तम है, यहां जैन समाज का सबसे प्रमुख गुरु गणेश धाम बना हुआ है, जहां भारत से ही नहीं विदेशों से भी श्रद्धालु दर्शन के लिए आते हैं। सनातन मंदिरों में रामजी का मंदिर, बालाजी का मंदिर, गणपति महाराज जी का मंदिर व अन्य कई देवा-देवताओं के भी मंदिर हैं, प्राचीन और ऐतिहासिक है 'जालना', जैन समाज द्वारा गौशाला भी संचालित है और भी कई विशेषताएं हैं हमारे 'जालना' में....

'भारत को केवल 'भारत' ही बोला जाए' INDIA नहीं, एक राष्ट्र-एक नाम केवल 'भारत' राष्ट्रीय अभियान के संदर्भ में आपका कहना है कि निश्चित रूप से 'भारत' हमारे देश का वास्तविक नाम है, जो हमारी भावनाओं से जुड़ा हुआ है, इसलिए हर भाषा में अपने देश का नाम केवल 'भारत' ही रहना चाहिए। गाय को राष्ट्रमाता बनाने के संदर्भ में आपका कहना है कि निश्चित रूप से गाय हमारे लिए श्रद्धा का केंद्र है, उन्हें माता कहकर बुलाते हैं, इसीलिए उन्हें 'राष्ट्रमाता' का सम्मान अवश्य मिलना चाहिए।

अशोक जी मूलतः राजस्थान के अजमेर जिले में स्थित 'राबड्यास' उसके निवासी हैं, आपका जन्म व शिक्षा 'जालना' में संपन्न हुई है, यहां आप सामाजिक कार्यों में भी सक्रिय रहते हैं। जय गौमाता! जय भारत! **-मैं भारत हूँ**

रमेश चंद्र अग्रवाल

व्यवसायी व समाजसेवी

डीडवाना निवासी-जालना प्रवासी

भ्रमणध्वनि: ९४२३७४८३८४

रमेश जी अपनी जन्मभूमि और कर्मभूमि 'जालना' की विशेषताओं का उल्लेख करते हुए कहते हैं कि पहले और आज के 'जालना' में बहुत अंतर आ गया है, पहले का 'जालना' छोटा सा शहर था, आज यह हर तरह से सुविधा संपन्न शहर बन गया है, पहले जहां सिर्फ एक अस्पताल था, आज हर क्षेत्र में कई अस्पताल और मेडिकल स्टोर खुल गए हैं। स्कूल, कॉलेज की भी संख्या बढ़ गई है। आवागमन के साधन बढ़ गए हैं, रेलवे स्टेशन का भी बहुत बड़ा निर्माण कार्य चालू है, 'जालना' हमेशा से ही उद्योग व्यापार का केंद्र रहा है, आज 'जालना' में रोलिंग मील स्टील इंडस्ट्री और सीड्स का बहुत बड़ा कारोबार है, 'जालना' के 'मोंढा' में किसान अपना माल लाकर आढ़तियों के बेचते हैं, इसके अलावा कपड़ा और स्वर्ण आभूषणों के भी कारोबार यहां स्थापित हैं, राजस्थानी समाज के अधिकतर लोग कारोबार से ही जुड़े हैं। सामाजिक दृष्टिकोण से भी 'जालना' बहुत ही उत्तम है, हर धर्म समाज के लोग बसे हैं, यहां अग्रवाल समाज के लगभग ८५० परिवार बसे हैं, समाज द्वारा यहां अग्रसेन फाऊंडेशन भवन का निर्माण किया गया है, जो लगभग २५ साल पुराना है, इसके अलावा और भी समाज की अपनी सामाजिक संस्थाएं हैं, जो धार्मिक और सामाजिक क्षेत्र में कार्यरत हैं, लोग एक दूसरे के सुख-दुख में सम्मिलित होते हैं, हर तीज त्यौहार मिलकर मनाया जाता है। यहां का मोती बाग एक प्रमुख पिकनिक पॉइंट है, धार्मिक दृष्टिकोण से भी 'जालना' बहुत ही उत्तम है, यहां राजूर महागणपति, प्राचीन पंचमुखी महादेव मंदिर, दत्त आश्रम, मम्मादेवी मंदिर, दुर्गा माता मंदिर आदि जागृत देवस्थान है। जैन समाज का भी प्रमुख केंद्र है, गुरु गणेश धाम बना हुआ है, जो आचार्य गुरु गणेश की समाधि स्थल है, पूरे भारत से जैन समाज के लोग यहां दर्शन के लिए आते हैं, हर अमावस्या को भव्य आयोजन रहता है। गौशाला भी संचालित है, इसके अलावा जालना पांजरापोल गौशाला भी राजस्थानी समाज द्वारा संचालित है। ऐसी और कई विशेषताएं हैं हमारे 'जालना' में...

गाय को 'राष्ट्रमाता' का सम्मान अवश्य मिलना चाहिए, गाय हमारी भारतीय संस्कृति का मुख्य हिस्सा है, उनकी सेवा और सुरक्षा जरूरी है।

'भारत को केवल 'भारत' ही बोला जाए' INDIA नहीं, एक राष्ट्र-एक नाम केवल 'भारत' राष्ट्रीय अभियान के संदर्भ में आपका कहना है कि निश्चित रूप में हमारे देश का नाम एक ही रहना चाहिए 'भारत'!

रमेशचंद जी मूलतः राजस्थान स्थित 'डीडवाना' के निवासी हैं, आपकी माताजी श्रीमती ताराबाई ९३ वर्ष की है, आपका जन्म व सम्पूर्ण शिक्षा 'जालना' में संपन्न हुई है, यहां आप कारोबार से जुड़े हैं, दादाजी के समय से फर्शि का व्यवसाय है, दोनों बेटे सेनेटरी, टाईल्स, प्लंबिंग, ग्रेनाइट आदी व्यवसाय से जुडे है, साथ ही कई सामाजिक संगठनों में सक्रिय रहते हैं, मारवाड़ी युवा मंच के कार्याध्यक्ष के रूप में अपनी भूमिका निभा रहे हैं। जय गौमाता! जय भारत!

-मैं भारत हूँ

राजेश त्रिलोकचन्द पाटनी

महामंत्री श्री श्रेयांसनाथ दिगम्बर जैन मंदिर

जालना निवासी

भ्रमणध्वनि: ७०२०४६०८१९

राजेश जी अपनी जन्मभूमि व कर्मभूमि 'जालना' की विशेषताओं का उल्लेख करते हुए कहते हैं कि पहले और आज के 'जालना' में रात-दिन का अंतर आ गया है, हर क्षेत्र में प्रगति आयी है। 'जालना' हमेशा से ही व्यापारिक क्षेत्र रहा है, पहले जहां अनाज व कपड़ा का कारोबार बड़े पैमाने पर होता था, उसके बाद यह सीड्स का हब बना और आज 'जालना' रोलिंग मिल का बहुत बड़ा हब है, जहां निर्मित सरिया देश ही नहीं विदेशों में भी निर्यात किया जाता है, यहां कई बड़े-बड़े प्लांट्स लगे हैं, जो राष्ट्रीय व अंतराष्ट्रीय स्तर पर कार्यरत हैं। यहां का कृषि क्षेत्र भी काफी उन्नत है, सोयाबीन, कपास व अन्य फसलों की पैदावार बड़े पैमाने पर होती है। सामाजिक दृष्टिकोण से भी 'जालना' बहुत ही उत्तम है, यहां हर धर्म व समाज के लोग बसे हुए हैं, सभी के बीच आपसी सामंजस्य अच्छा है, यहां दिगम्बर जैन समाज के लगभग १२० परिवार बसे हैं, समाज द्वारा यहां तीन दिगम्बर जैन मंदिर बना हुआ है, जुना जालना मंदीर जी के मुलनायक तीर्थंकर अजीतनाथ जी है, उसी प्रकार से नये जालना मंदीर के मुलनायक श्रेयांसनाथ भगवान हैं, यहां श्वेताम्बर समाज के द्वारा गुरु गणेश धाम बना हुआ है जो एक अतिशय क्षेत्र के रूप में जाना जाता है, पूरे दक्षिण भारत से लोग यहां दर्शन के लिए आते हैं। पिछले वर्ष यहां विराग सागर महाराज की समाधि हुई थी, उनके नाम पर देव मूर्ति नामक गांव में विराग समाधि स्थल का निर्माण किया जा रहा है। 'जालना' का क्षेत्र बहुत ही उत्तम है, राजस्थानी समाज का पूरा योगदान है, धार्मिक दृष्टिकोण से बात की जाए तो जैन मंदिरों के साथ-साथ कई सनातनी देवी-देवताओं के भी मंदिर हैं। ३० किलोमीटर दूरी पर स्थित 'अंबड' नामक स्थान में मत्स्योदरी देवी का मंदिर है, जो काफी प्रसिद्ध है इसके अलावा 'जालना' में कई गौशालाएं भी हैं, जिसमें जैन समाज का भी योगदान है, ऐसी और कई विशेषताएं हैं हमारे 'जालना' में....

राजेश जी के पूर्वज मूलतः राजस्थान के निवासी थे। आपका जन्म व सम्पूर्ण शिक्षा 'जालना' में ही संपन्न हुई है, यहां आप वेयरहाउस के कारोबार से जुड़े हैं, साथ ही सामाजिक क्षेत्र में भी सक्रिय रहते हैं, 'श्रेयांसनाथ' दिगम्बर जैन मंदिर ट्रस्ट के महामंत्री पद पर कार्यरत हैं, अन्य कई सामाजिक संस्थाओं में भी सक्रिय हैं। जय भारत! जय गौमाता!

-मैं भारत हूँ

आइये हम सभी 'जय भारत' से अपने सुधिजनों का अभिवादन करें। जय भारत!

पंकज बृजमोहन लड्ढा

सचिव रोटरी क्लब रेनबो जालना

मेड़ता निवासी-जालना प्रवासी

भ्रमणध्वनिः ९४२२२१५३२४

पंकज जी अपनी जन्मभूमि व कर्मभूमि 'जालना' की विशेषताओं का उल्लेख करते हुए कहते हैं कि पहले और आज के 'जालना' में काफी अंतर आ गया है, आज 'जालना' अपने औद्योगिक क्षेत्र के लिए पूरे भारत में अपनी पहचान बनाए हुए है, 'जालना' हमेशा से ही व्यापार का केंद्र रहा है, पहले अनाज मंडी, उसके बाद सीड्स इंडस्ट्रीज और अब स्टील इंडस्ट्रीज के लिए जाना जाता है, इसके अलावा कृषि क्षेत्र में कपास और सोयाबीन की भी पैदावार अधिक होती है। राजस्थानी समाज के अधिकतर लोग व्यापार से ही जुड़े हैं। सामाजिक दृष्टिकोण से भी 'जालना' बहुत ही उत्तम है, पहले जो भाईचारा मेल-मिलाप और अपनापन दिखाई देता था, वह कम हो गया है फिर भी लोगों में मेल-मिलाप अच्छा है, हर धर्म समाज के लोग बसे हैं, हर समाज की अपनी सामाजिक संस्थाएं कार्यरत हैं, यहां माहेश्वरी समाज के लगभग डेढ़ हजार परिवार निवास करते हैं, महेश भवन बना हुआ है इसके अलावा जैन भवन जैसी कई संस्थाएं संचालित हैं। धार्मिक दृष्टिकोण से भी बात की जाए तो 'जालना' का दत्त आश्रम, राजूर गणपति, मत्स्योदरी माता का मंदिर, जामखेड स्थानक, स्वामी समर्थ रामदास जी का समाधी स्थल है। राजस्थानी समाज द्वारा कई मंदिर बनाये गये है। यहां राजस्थानी समाज द्वारा कई गौशालाएं संचालित हैं, जिसमें राजस्थानी समाज का पूरा-पूरा योगदान रहता है। माहेश्वरी समाज के द्वारा कई गौशाला संचालित हैं, ऐसी और भी कई विशेषताएं हैं हमारे 'जालना' में...
'भारत को केवल 'भारत' ही बोला जाए' INDIA नहीं, एक राष्ट्र-एक नाम केवल 'भारत' राष्ट्रीय अभियान के संदर्भ में आपका कहना है कि निश्चित रूप से अपने देश का नाम केवल 'भारत' ही रहना चाहिए, 'भारत' नाम ही हमारे देश की वास्तविक पहचान है।
गाय को 'राष्ट्रमाता' का सम्मान अवश्य प्राप्त होना चाहिए, साथ ही गायों का संरक्षण और संवर्धन होना जरूरी है।
पंकज जी राजस्थान के नागौर जिले में स्थित 'मेड़ता सिटी' के निवासी हैं। आपका जन्म और संपूर्ण शिक्षा 'जालना' महाराष्ट्र में संपन्न हुई है, यहां आप कई उद्योग से जुड़े हैं, साथ ही सामाजिक क्षेत्र में भी कार्यरत रहते हैं। रोटरी क्लब रेनबो के अध्यक्ष पद पर सक्रिय हैं। लघु उद्योग भारती व जेसीस के अध्यक्ष रहे हैं, कई सामाजिक संस्थाओं में सक्रिय हैं। जय गौमाता! जय भारत!

-मैं भारत हूँ

राजेश एन. कामड

प्रदेश उपाध्यक्ष अंतरराष्ट्रीय अग्रवाल सम्मेलन महाराष्ट्र

उदासर निवासी-जालना प्रवासी

भ्रमणध्वनिः ९०११०१५४०१

राजेश जी के पूर्वज राजस्थान स्थित 'उदासर' के निवासी थे, आपका परिवार कई वर्षों से 'जालना' महाराष्ट्र में बसा हुआ है, आपका जन्म व शिक्षा यहीं संपन्न हुई है, आप यहां स्टील उद्योग से जुड़े हैं, साथ ही आप सामाजिक कार्यों में विशेष सक्रिय रहते हैं, वरिष्ठ समाजसेवी के रूप में कार्यरत हैं, स्वयं द्वारा स्थापित 'राजेश कामड मित्र मंडल' द्वारा पिछले कई वर्षों से आप रक्तदान शिविर का आयोजन करते आ रहे हैं, अब तक ७ ब्लड डोनेशन कैंप द्वारा हजारों लोगों ने रक्तदान किया है, रक्तदान के लिए जन जागृति भी करते हैं, आपके इसी कार्यों को देखते हुए लाइंस क्रांति ब्लड डोनेशन डिविजन द्वारा नासिक में लायंस प्रांतीय परिषद में 'सुपर इमेज बिल्डिंग' व 'सुपर कैबिनेट ऑफिसर' पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। आप अंतरराष्ट्रीय अग्रवाल सम्मेलन महाराष्ट्र प्रदेश के उपाध्यक्ष पद पर कार्यरत हैं, अन्य कई संस्थानों से भी जुड़े हैं।
राजेश जी अपनी जन्मभूमि व कर्मभूमि 'जालना' की विशेषताओं का उल्लेख करते हुए कहते हैं कि 'जालना' में बहुत ही जबरदस्त परिवर्तन आया है, पहले यह छोटा शहर था, आज एक सुविधा संपन्न शहर बन चुका है, जो विशेषकर अपने औद्योगिक क्षेत्र के लिए जाना जाता है, सीड्स, स्टील, ऑयल इंडस्ट्री जैसे कई कारोबार के लिए जाना जाता है, सिड्स और स्टील इंडस्ट्री का हब है 'जालना', यहां कई बड़ी-बड़ी कंपनियों के प्लांट्स लगे हैं, जिनमें राजस्थानी समाज का योगदान बढ़-चढ़कर है, राजस्थानी समाज के लोग सामाजिक कार्यों में भी बढ़-चढ़कर सहभागी रहते हैं, यहां के लोग समाज कार्यों के प्रति हमेशा जागरूक रहते हैं, यहां का सामाजिक माहौल बहुत ही उत्तम है, हर धर्म व समाज के लोग बसे हुए हैं, अग्रवाल समाज के लगभग डेढ़ हजार परिवार यहां निवास करते हैं, समाज का यहां भवन और मंदिर भी हैं। राणी सती दादी और खाटू श्याम जी का मंदिर समाज द्वारा ही बनाया गया है। 'जालना' में कई गौशालाएं संचालित हैं, जिनमें जैन समाज की गौशाला सबसे बड़ी है, यहां की सबसे पुरानी पांजरापैल गौशाला सबसे पुरानी गौशाला है, जो यहां के व्यापारिक संगठनों द्वारा संचालित है, वर्तमान में इसमें ५०० से भी अधिक गौ वंश है। धार्मिक दृष्टिकोण से भी 'जालना' उत्तम है, यहां का राजुर गणपती एक उल्लेखनीय और जागृत देवस्थान है, अंबड में मत्स्योदरी देवी का मंदिर प्रसिद्ध है, इसके अलावा अन्य कई देवी-देवताओं के भी मंदिर हैं, यहां से २५ किलोमीटर दूरी पर सिंधखेड़राजा नामक स्थान पर माता जीजाबाई का जन्म स्थान है और भी कई विशेषताएं हैं हमारे 'जालना' में...
गाय को 'राष्ट्रमाता' का सम्मान अवश्य मिलना चाहिए, गाय हमारे लिए पूजनीय है, गाय से हमें कई लाभ प्राप्त होते हैं, मेरे कंपनी के परिसर में तीन गायों की सेवा की जा रही है, गाय का आशीर्वाद प्राप्त होता रहता है, गाय माता है तो 'सृष्टि' है। जय भारत! जय गौमाता!

-मैं भारत हूँ

स्वरूपचंद ललवानी

पूर्व सचिव गुरु गणेश तपोधाम
बिलाड़ा निवासी-जालना प्रवासी
भ्रमणध्वनि: ९४२०२१८२१४

स्वरूपचंद जी अपनी जन्मभूमि व कर्मभूमि 'जालना' की विशेषताओं का उल्लेख करते हुए कहते हैं कि 'जालना' पहले एक तहसील था, १९८१ में इसे जिला घोषित किया गया, जिसके अंतर्गत कई तहसील आते हैं। आज 'जालना' व्यापार के लिए पूरे विश्व में विख्यात है, विशेषकर स्टील और सीड्स इंडस्ट्री का हब है, इसके अलावा 'जालना' में अनाज की मंडी बहुत बड़ी है, जिसके लिए पूरे मराठवाड़ा में 'जालना' की अपनी एक पहचान है। 'जालना' का सामाजिक माहौल बहुत ही उत्तम है, हर धर्म समाज के लोग बसे हुए हैं, लोगों में आपसी प्रेम व्यवहार और सामाजिकता की भावना व्याप्त है, एक दूसरे के सामाजिक व धार्मिक कार्यक्रमों में बढ़-चढ़कर सहभागी होते हैं, यहां श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ के पूजनीय कर्नाटक गजकेसरी गुरु गणेश महाराज का तपोधन बना हुआ है जो 'जालना' के केंद्र में स्थित है, जहां हर अमावस को लगभग ७००० श्रद्धालु दर्शन के लिए आते हैं और फरवरी के अमावस पर, उनकी पुण्यतिथि पर ३०-४०००० की संख्या में श्रद्धालु आते हैं। विशेषकर दक्षिण भारत से अधिक संख्या में लोग उपस्थित होते हैं, यहां जैन समाज बड़ी संख्या में निवास करता है, लगभग हजार परिवार जैन समाज के निवासित दिगम्बर और श्वेताम्बर दोनों ही निवास करते हैं। दिगम्बर जैन समाज के भी आचार्य विराग सागर जी महाराज का समाधि स्थल देव मूर्ति गांव में 'विराग धाम' बन रहा है। सनातनी देवी-देवता में राजूर गणपति का मंदिर विशेष उल्लेखनीय है, जो एक जागृत देवस्थान है, जहां हर चतुर्थी को लाखों की संख्या में श्रद्धालु उपस्थित होते हैं, इसके अलावा जाम समर्थ में स्वामी रामदासजी का स्थान है, 'अंबड' में मत्स्योदरी की देवी का मंदिर विशेष उल्लेखनीय है, प्राचीन समय में 'जालना' को जनकपुर भी कहा जाता है, कहते हैं कि श्री राम जी अपने वनवास के दौरान नासिक से 'जालना' होकर ही दक्षिण भारत की तरफ गए थे, यहां पर भव्य राम मंदिर भी बना हुआ है। गुरु गणेश धाम द्वारा यहां बहुत भव्य गौशाला बनी हुई है जो ६५ एकड़ में फैली है, इसके अंतर्गत चार प्राथमिक व माध्यमिक विद्यालय, अंध विद्यालय, शैक्षणिक संस्थान संचालित हैं। यहां अग्रवाल समाज व माहेश्वरी समाज के भी अपने-अपने सामाजिक भवन बने हुए हैं, ऐसी कई विशेषताएं हैं हमारे 'जालना' में.....

गाय को 'राष्ट्रमाता' का सम्मान अवश्य प्राप्त होना चाहिए।

स्वरूपचंद जी मूलतः राजस्थान के जोधपुर जिले में स्थित 'बिलाड़ा' के निवासी हैं। आपका परिवार लगभग कई पीढियों से 'जालना' में बसा हुआ है, आपका जन्म व शिक्षा यहीं संपन्न हुई है, यहां आप फूड आइटम के कारोबार से जुड़े हैं, साथ ही सामाजिक क्षेत्र में भी सक्रिय रहते हैं। भारतीय जैन संघटना से भी जुड़े हैं। जय भारत! जय गौमाता!

-मैं भारत हूँ

संजय राठी

संस्थापक अध्यक्ष महेश पत संस्था जालना
मेड़ता सिटी निवासी-जालना प्रवासी
भ्रमणध्वनि: ९९२३४५५८१७

संजय जी अपनी जन्मभूमि व कर्मभूमि 'जालना' की विशेषताओं का उल्लेख करते हुए कहते हैं कि हमारे बचपन का 'जालना' और आज के 'जालना' में रात दिन का अंतर आ गया है, जनसंख्या वृद्धि के साथ-साथ इंफ्रास्ट्रक्चर क्षेत्र में भी कई विकास हुए हैं, स्कूल-कॉलेज अस्पताल की संख्या अधिक हो गई है, आवागमन के साधन अच्छे हो गए हैं, यहां जैन-अग्रवाल और गुजराती समाज के भी विद्यालय और महाविद्यालय हैं। सामाजिक दृष्टिकोण से भी 'जालना' बहुत ही उत्तम है, हर धर्म समाज के लोग बसे हुए हैं, सभी के बीच आपसी प्रेम व्यवहार अच्छा है। 'जालना' जिला में माहेश्वरी समाज के लगभग १६०० परिवार निवास करते हैं, शहर में माहेश्वरी समाज द्वारा महेश भवन बनाया गया है, जो लगभग ४० साल पुराना है और एक नए भवन निर्माण के लिए जमीन खरीदी जा चुकी है। आर्थिक स्थिति से भी 'जालना' बहुत ही उन्नत है, यहाँ हर तरह के उद्योग व्यापार होते हैं, विशेषकर स्टील और सीड्स का कारोबार बड़े पैमाने पर होता है, जो देश ही नहीं विदेशों में भी निर्यात किया जाता है, यहां कई बड़ी-बड़ी मल्टीनेशनल कंपनियों के भी प्लांट लगे हुए हैं, इसके अलावा 'जालना' का कृषि क्षेत्र भी उत्तम है, हर तरह की फसलें यहां होती है, विशेषकर कॉटन व सोयाबीन के साथ दालों की फसलें अधिक होती हैं, इसीलिए इनसे जुड़े मैन्युफैक्चरिंग यूनिट्स भी हैं। धार्मिक दृष्टिकोण से भी 'जालना' उत्तम है, यहां कई देवी-देवताओं के मंदिर हैं, विशेषकर राजुर गणपती मंदिर एक जागृति देवस्थान है, श्री राम मंदिर भी लोगों की आस्था का मुख्य केंद्र है, यहां से २५ किलोमीटर दूरी पर जिजाऊ माता का जन्म स्थान है। 'जालना' में कई गौशालाएं हैं जो अलग-अलग समाज द्वारा संचालित हैं और भी कई विशेषताएं हैं हमारे 'जालना' में....

गाय को 'राष्ट्रमाता' का सम्मान अवश्य मिलना चाहिए, हमारे लिए गाय पूजनीय हैं। वेदों पुराणों में भी 'गाय' के महत्व को बतलाया गया है।

'भारत को केवल 'भारत' ही बोला जाए' INDIA नहीं, एक राष्ट्र-एक नाम केवल 'भारत' राष्ट्रीय अभियान के संदर्भ में आपका कहना है कि निश्चित रूप से भी अपने देश का नाम केवल 'भारत' ही रहना चाहिए 'भारत' नाम में आत्मीयता है, अपनापन है, इसीलिए हर भाषा में अपने देश का नाम केवल 'भारत' ही रहना चाहिए।

संजय जी मूलतः राजस्थान स्थित जोधपुर जिले में स्थित 'मेड़ता सिटी' के निवासी हैं। आपका जन्म व सम्पूर्ण शिक्षा 'जालना' में संपन्न हुई है, यहां आप स्टील इंडस्ट्रीज से जुड़े हैं, साथ ही कई सामाजिक क्षेत्र में भी कार्यरत हैं, महेश पत संस्था जालना के संस्थापक अध्यक्ष हैं, अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महासभा कार्यकारी मंडल सदस्य हैं। माहेश्वरी पत्रिका, नागपुर बोर्ड में कार्यकारिणी सदस्य है, अन्य कई संस्थानों से भी जुड़े हैं। जय गौमाता! जय भारत! **-मैं भारत हूँ**

आइये हम सभी 'जय भारत' से अपने सुधिजनों का अभिवादन करें। जय भारत!

सुनील बियानी

व्यवसायी व समाजसेवी

जोधपुर निवासी-जालना प्रवासी

भ्रमणध्वनिः ९४२३१५६८०९

सुनील जी अपनी जन्मभूमि व कर्मभूमि 'जालना' की विशेषताओं का उल्लेख करते हुए कहते हैं कि पहले और आज के 'जालना' में जमीन आसमान का अंतर आ गया है, दिन प्रतिदिन यहां विकास हो रहा है, केंद्र सरकार द्वारा भी यहां ध्यान दिया जा रहा है। यहां की आर्थिक स्थिति बहुत ही उत्तम है, अधिकतर व्यापारी वर्ग ही यहां निवास कर रहे हैं, पहले जो क्षेत्र सीड्स इंडस्ट्री के लिए जाना जाता था, आज यहां स्टील सरिया का निर्माण कार्य बड़े पैमाने पर हो रहा है, कई बड़े-बड़े प्लांट्स लगे हैं, कृषि क्षेत्र भी यहां का बहुत ही उत्तम है। 'जालना' का सामाजिक माहौल बहुत ही उत्तम है, हर धर्म समाज के लोग बसे हुए हैं, सभी के बीच आपसी मेल-मिलाप अच्छा है, यहां माहेश्वरी समाज के लगभग हजार परिवार निवास कर रहे हैं, समाज द्वारा यहां महेश भवन व कई देवी देवताओं के मंदिर बनाए गए हैं। राजस्थानी समाज का 'जालना' में अच्छा वर्चस्व है। यहां के प्रमुख धार्मिक स्थानों में गुरु गणेश धाम है, जो गुरु गणेश जी की समाधि स्थल है, हजारों की संख्या में जैन श्रद्धालु यहां दर्शन करने आते हैं, ना सिर्फ जैन श्रद्धालु बल्कि अन्य समाज के लोग भी यहां दर्शन के लिए आते हैं, इसके अलावा यहां से २५ किलोमीटर दूरी पर राजूर गणपति का मंदिर प्रमुख जागृत स्थान है, इसके साथ ही दत्त आश्रम, दुर्गा माता का मंदिर व अन्य देवी देवताओं के मंदिर हैं। 'जालना' में कई गौशालाएं भी हैं, जिसमें राजस्थानी समाज का अच्छा खासा योगदान है ऐसी और कई विशेषताएं हैं हमारे 'जालना' में...

गाय को 'राष्ट्रमाता' का सम्मान अवश्य मिलना चाहिए, गाय हमारे लिए पूजनीय है, गाय सर्वोत्तम है।

'भारत को केवल 'भारत' ही बोला जाए' INDIA नहीं, एक राष्ट्र-एक नाम केवल 'भारत' राष्ट्रीय अभियान के संदर्भ में आपका कहना है कि बिल्कुल अपने देश का एक ही नाम रहना चाहिए चाहे भाषा कोई भी हो 'भारत'!

सुनील जी मूलतः राजस्थान स्थित 'जोधपुर' के निवासी हैं। आपका परिवार कई पीढियों से 'जालना' में बसा हुआ है, आपका जन्म व शिक्षा यहीं संपन्न हुई है, यहां आप कपड़ा व्यापार से जुड़े हैं, साथ ही कई सामाजिक संगठनों में सक्रिय हैं, पूर्व में जालना शहर माहेश्वरी सभा के सचिव रहे हैं। जय भारत! जय गौमाता!

-मैं भारत हूँ

संजय अग्रवाल

व्यवसायी व समाजसेवी

हरियाणा निवासी-जालना प्रवासी

भ्रमणध्वनिः ९८२३०८८६७३

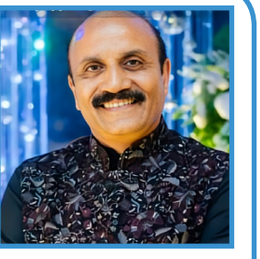

संजय जी अपनी कर्मभूमि 'जालना' की विशेषताओं का उल्लेख करते हुए कहते हैं कि 'जालना' का सामाजिक माहौल बहुत ही उत्तम है, लोगों में आपसी सामंजस्य बहुत अधिक है, एक-दूसरे के धार्मिक व सामाजिक कार्यों में बढ़-चढ़कर सहभागी होते हैं, हर त्यौहार बड़े ही धूमधाम से मनाया जाता है, यहां अग्रवाल समाज के लगभग हजार परिवार निवास करते हैं, अग्रवाल समाज द्वारा कई सामाजिक संगठनों का भी संचालन हो रहा है। 'जालना' की अर्थव्यवस्था बहुत ही उत्तम है, इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट बहुत ही हुआ है, जब से भाजपा की सरकार आई है, तब से स्कूल, कॉलेज की सुविधा बढ़ गई हैं, आवागमन के साधन अच्छे हो गए हैं, यहां राजस्थानी समाज के भी कई विद्यालय और महाविद्यालय हैं, मेरे दादाजी द्वारा १९९२ में यहां राष्ट्रीय हिंदी विद्यालय और १९९८ में दानकुंवर हिंदी कन्या विद्यालय की स्थापना की गई थी, जो आज भी संचालित है, जिसमें प्राथमिक से लेकर पोस्ट ग्रेजुएशन तक की कक्षाएं चलती हैं और वर्तमान में ७००० विद्यार्थी शिक्षा ग्रहण करते हैं, यह विद्यालय हिंदी, अंग्रेजी व मराठी तीनों ही माध्यम में संचालित है। 'जालना' की अर्थव्यवस्था बहुत उत्तम है, यहां इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट तो बहुत हुआ है, आज 'जालना' सीड्स और स्टील इंडस्ट्री के लिए जाना जाता है, जिनमें कई बड़ी-बड़ी मैन्युफैक्चरिंग कंपनियां स्थापित हैं और इनमें भी अग्रवाल, माहेश्वरी समाज की संख्या सबसे अधिक है। धार्मिक दृष्टिकोण से भी यह क्षेत्र बहुत ही उत्तम है, यहां दत्त आश्रम और राम मंदिर भी बना हुआ है, दत्त आश्रम में ताई महाराज जी की बड़ी कृपा है, जो अनवरत इस आश्रम का संचालन और देखरेख कर रही हैं, यहां प्रतिदिन भंडारा चलता है, १०-१५ हजार लोगों का भोजन होता है, कुलदेवी जीण माता व खाटू श्याम जी का भी मंदिर है और भी कई धार्मिक स्थान है। 'जालना' में कई गौशाला भी संलग्न हैं, यहां के लोग गौ सेवा में भी हमेशा सक्रिय रहते हैं, 'जालना' स्थित गौ आरक्षण पांजरापोल संस्थान गायों की सेवा करती है, जिसमें अग्रवाल, माहेश्वरी, जैनों का सबसे बड़ा योगदान होता है, ऐसी और कई विशेषताएं हैं हमारी 'जालना' में....

संजय जी का परिवार मूलतः राजस्थान हरियाणा में स्थित 'रोहतक' के निवासी हैं, आपका परिवार कई पीढ़ियों से 'जालना' में बसा हुआ है, 'जालना' में आपका पारिवारिक कई कारोबार है, आप ऑक्सीजन गैस मैन्युफैक्चरिंग के उद्योग से जुड़े हैं, साथ ही आप समाज सेवा में भी सक्रिय रहते हैं, यहां अग्रवाल सम्मेलन के कोषाध्यक्ष रहे हैं, महाराष्ट्र अग्रवाल परिषद अधिवेशन के भी कोषाध्यक्ष पद पर भूमिका निभाई है, अन्य कई सामाजिक संगठनों में भी सक्रिय हैं। कोविड महामारी में आपके द्वारा किए गए निस्वार्थ सेवा कार्य को सभी ने सराहा है, इसी कारण सभी आपको 'ऑक्सीमॅन' भी कहते हैं। कहा गया था कि कोविड महामारी में 'जालना' का इतिहास, जब-जब लिखा जायेगा निस्वार्थ, सेवा कार्य के लिए आपका नाम सबसे पहले आयेगा। आज 'जालना' में आपका व्यक्तित्व ज्ञानी, मानी और दानी के रूप में विख्यात है। जय भारत! जय गौमाता!

-मैं भारत हूँ

नरेंद्र पहाड़े

अध्यक्ष विराग अक्षय समाधि स्थल ट्रस्ट

जालना निवासी

भ्रमणध्वनि: ९४२२२१६९९४

नरेंद्र जी अपनी जन्मभूमि व कर्मभूमि 'जालना' की विशेषताओं का उल्लेख करते हुए कहते हैं कि पहले और आज के 'जालना' में काफी अंतर आ गया है, दिन प्रतिदिन हमारा जालना प्रगति की ओर ही अग्रसर है। इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट बहुत अधिक हुआ है। स्कूल, कॉलेज, अस्पताल की संख्या बढ़ गई है, यहां जैन समाज के भी कई विद्यालय और महाविद्यालय हैं। सामाजिक माहौल 'जालना' का बहुत ही उत्तम है। यहां राजस्थानी समाज की संख्या बहुत अधिक है, जिनमें अग्रवाल, माहेश्वरी, जैन, ब्राह्मण सभी समाज हैं और हर समाज की अपनी-अपनी सामाजिक धार्मिक संस्थाएं हैं, जैन समाज की बात करे तो दिगम्बर जैन समाज के लगभग ५०० परिवार है, श्वेताम्बर समाज के हजार के करीब परिवार निवास करते हैं, समाज द्वारा यहां कई जैन मंदिर बने हैं, जिनमें दिगम्बर जैन समाज के सात मंदिर हैं और सदर बाजार में स्थित श्रेयांशनाथ दिगम्बर जैन मंदिर सबसे प्राचीन और प्रमुख है, आचार्यश्री विरागसागर जी की मोक्ष स्थली का निर्माण जालना के देवमूर्ति नामक ग्राम में 'विराग अक्षय समाधि स्थल' के रूप में किया जा रहा है, श्वेताम्बर समाज में भी चंद्रप्रभु स्वामी मंदिर प्रमुख है, श्वेताम्बर स्थानकवासी जैन समाज का गुरु गणेश धाम बहुत बड़ा संस्थान है, जिसमें गुरु गणेशलाल जी महाराज की समाधि स्थल है, साथ ही इसी परिसर में स्कूल, कॉलेज, गौशाला, अंध विद्यालय जैसे कई प्रकल्प संचालित है। आर्थिक दृष्टिकोण से भी 'जालना' बहुत ही अग्रसर है, पहले कृषि में अनाज मंडी के लिए जाना जाता था, यहां का एपीएमसी मार्केट बहुत बड़ा है, आज जालना स्टील हब बन चुका है, जो महाराष्ट्र में नागपुर के बाद अपना स्थान रखता है, कृषि क्षेत्र में सोयाबीन, कपास, तुअर जैसी फसलों की पैदावार बड़े पैमाने पर होती है और उनसे जुड़े कारोबार भी यहां है। जालना को जायकवाड़ी डैम से और घाणेवाडी तालाब से जल की आपूर्ति की होती है। धार्मिक स्थानों की बात की जाए तो जालना में राजूर गणपति का मंदिर, अंबड में मत्स्योदरी माता का मंदिर उल्लेखनीय है। जालना में कई गौशालाएं संचालित है, जिनमें जैन समाज की गौशाला और पांजरापोल गौशाला सबसे बड़ी है, ऐसी और कई विशेषताएं हैं हमारे 'जालना' में....

गाय को 'राष्ट्रमाता' का सम्मान अवश्य प्राप्त होना चाहिए।

'भारत को केवल 'भारत' ही बोला जाए' INDIA नहीं, एक राष्ट्र-एक नाम केवल 'भारत' राष्ट्रीय अभियान के संदर्भ में आपका कहना है कि आचार्य श्री विद्यासागर जी ने भी यही कहा था 'इंडिया छोड़ भारत बोलो' अतः अपने देश का एक ही नाम रहना चाहिए 'भारत'!

नरेंद्र जी के पूर्वज मूलतः राजस्थान के निवासी थे, आपका परिवार कई पीढ़ियों से 'जालना' में बसा है, आपका जन्म व शिक्षा यहीं संपन्न हुई है, यहां स्टील रोलिंग मिल कारोबार से जुड़े हैं, साथ ही सामाजिक क्षेत्र में भी सक्रिय रहते हैं, विराग अक्षय समाधि स्थल के अध्यक्ष व श्री श्रेयांशनाथ दिगम्बर जैन मंदिर के उपाध्यक्ष पद पर कार्यरत हैं। जय भारत! जय गौमाता!

-मैं भारत हूँ

अंतरराष्ट्रीय श्रमिक दिवस का इतिहास और उत्पत्ति

अंतरराष्ट्रीय मज़दूर दिवस विश्व स्तर का एक बड़ा उत्सव है और इसे १ मई १८८६ के दिन को याद करने के लिये मनाया जाता है, शिकागो में हेयरमार्केट घटना के कारण (हेयरमार्केट हत्याकाण्ड)। ये उस वर्ष की एक बड़ी घटना थी जब मज़दूर अपने आठ घंटे के कार्य-दिवस के लिये आम हड़ताल पर थे और पुलिस आम लोगों को भीड़ से तितर-बितर करने का अपना कार्य कर रही थी। अचानक से, एक अनजाने व्यक्ति के द्वारा भीड़ पर एक बम फेंका गया और पुलिस ने गोली चलाना शुरु कर दिया, जिसमें चार प्रदर्शनकारी मारे गये। घटना के बारे में वास्तविक वक्तव्य है: 'भरोसेमंद गवाहों ने बयान दिया है कि सड़क के बीच से बंदूकों से गोली आयी है, जहाँ पुलिस खड़ी थी, और भीड़ से कोई नहीं था, इसके अलावा, प्रारंभिक अखबार की रिपोर्ट ने आम नागरिकों के द्वारा गोली चलाने की कोई बात वर्णित नहीं की गयी थी, घटनास्थल पर एक तार का खंभा गोलियों के छेद से भरा पड़ा था, सभी पुलिस की दिशा की ओर से आ रहे थे।'

रेमण्ड लेविग्ने के द्वारा एक प्रस्ताव के माध्यम से पेरिस के मीटिंग में (१८८९ में) मई दिवस के रुप में वार्षिक आधार पर इसे मनाने का फैसला किया गया कि शिकागो विद्रोह के वर्षगाँठ को मनाने के लिये अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शन की जरूरत है। वर्ष १८९१ में, वार्षिक कार्यक्रम के रूप में मनाने के लिये दूसरे अंतरराष्ट्रीय काँग्रेस के द्वारा मई दिवस को अधिकारिक स्वीकृति मिली थी। हालाँकि, मई दिवस दंगा वर्ष १८९४ में और फिर १९०४ में हुआ, एम्सटर्डम के अंतरराष्ट्रीय समाजवादी सम्मेलन में निम्नलिखित वक्तव्य दिया गया 'आठ घंटे के दिन के कानूनी स्थापना के लिये पहली मई को प्रभावशाली ढंग से प्रदर्शन के लिये सभी देशों के समाजिक लोकतांत्रिक पार्टी संगठन और व्यापार यूनियनों, मजदूर वर्ग के श्रेणीबद्ध माँग के लिये, वैश्विक शांति के लिये और पहली मई को काम रोकने के लिये सभी देशों के मजदूर संगठनों के ऊपर बाध्यकारी है, इसे घोषित किया गया।'

भारत में मजदूर दिवस सर्वप्रथम : भारत में 'मई दिवस' सबसे पहले चेन्नई में १ मई १९२३ को मनाना शुरू हुआ, उस समय इसको 'मद्रास दिवस' के तौर पर मनाया जाता था, इसकी शुरूआत भारती मज़दूर किसान पार्टी के नेता कामरेड सिंगरावेलू चेट्यार ने शुरू किया था। भारत में मद्रास हाईकोर्ट के सामने एक बड़ा प्रदर्शन किया गया और एक संकल्प पास कर यह सहमति बनाई गई कि इस दिवस को भारत में भी कामगार दिवस के तौर पर मनाया जाये और छुट्टी का ऐलान किया जाये। भारत समेत लगभग ८० मुल्कों में यह दिवस पहली मई को मनाया जाता है, इसके पीछे तर्क यह है कि यह दिन अंतर्राष्ट्रीय मज़दूर दिवस के तौर पर प्रमाणित हो।

आइये हम सभी 'जय भारत' से अपने सुधिजनों का अभिवादन करें। जय भारत!

१ मई पर विशेष

महाराष्ट्र राज्य की स्थापना १ मई १९६०

महाराष्ट्र राज्य का संक्षिप्त परिचय

राजधानी : मुम्बई

जिले : ३६

भाषा : मराठी, हिंदी, अंग्रेजी

महाराष्ट्र भारत के सबसे अधिक औद्योगिक राज्यों में से एक है, यह देश के पश्चिमी और मध्य भाग में स्थित है, यहाँ विस्तृत सह्याद्री पहाड़ी है। अरब सागर तट पर ७२० किलोमीटर की एक सुंदर पृष्ठभूमि वाले महाराष्ट्र में एक विशाल आकर्षण है। महाराष्ट्र की स्थापना १ मई १९६० को हुई थी।

महाराष्ट्र का भूगोल - आंध्र प्रदेश के उत्तरी और मध्य प्रदेश के पश्चिमी छोर पर बसा महाराष्ट्र अरब सागर से घिरा है, इस क्षेत्र की अनूठी विशेषता मुकुट पठार की एक श्रृंखला है। अरब सागर और सह्याद्री रेंज के बीच कोंकण सिर्फ ५० कि.मी. चौड़ा और २०० मीटर नीचे ऊँचाई के साथ संकीर्ण तटीय तराई है। तीसरा महत्वपूर्ण क्षेत्र है उत्तरी सीमा पर सतपुडा पहाड़ियां और भामरागढ़-चिरौली-गायखुरी पर्वतमाला।

महाराष्ट्र का संक्षिप्त इतिहास - अहमदनगर जिले में महाराष्ट्र की प्राचीन सभ्यता के कई सबूत मिलते हैं। ६४०-६४१ (ईसा पूर्व) में इस क्षेत्र का दौरा करने वाले चीनी यात्री ह्यूंत्सांग ने इस क्षेत्र की समृद्धि की काफी सराहना की थी। तीसरी और चौथी शताब्दी (ईसा पूर्व) के दौरान कोंकण के क्षेत्र में व्यापार स्थापित था, बौद्ध के समय में काफी प्रगति हुई फिर मौर्य शासन हुआ। महाराष्ट्र की संस्कृति और कला का एक बड़ा केंद्र था राष्ट्रकूट। मौर्य शासन के विघटन के बाद कालक्रमानुसार मुस्लिम शासन मतबूत हुआ। महाराष्ट्र में मुगल शासन के मुंहतोड़ ज़वाब में सक्रिय रहे छत्रपति शिवाजी। शिवाजी मराठवाड़ा के पहले महान शासक थे, उन्होंने महाराष्ट्र स्वतंत्रता, स्वाभिमान व विकास के मार्ग प्रशस्त किये। शिवाजी की वीरता और महानता अभी भी इस प्रदेश के लोगों द्वारा याद की जाती है।

महाराष्ट्र सरकार - वर्तमान में उद्धव ठाकरे महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री हैं।

महाराष्ट्र के जिले - महाराष्ट्र राज्य छ: डिवीजनों में विभक्त है, जो ३५ जिलों से बना है।

१) अमरावती क्षेत्र: अकोला, अमरावती, बुलढाना, वाशिम और यवतमाल

२) औरंगाबाद क्षेत्र (मराठवाड़ा) : औरंगाबाद, बीड, हिंगोली, जालना, लातूर, नांदेड़, उस्मानाबाद और परभणी

३) कोंकण क्षेत्र : मुम्बई शहर, मुम्बई उपनगरीय, रायगढ़, रत्नागिरी, सिंधुदुर्ग और ठाणे

४) नासिक क्षेत्र : अहमदनगर, धुले, जलगांव, नंदुरबार और नासिक

५) नागपुर क्षेत्र : भंडारा, चंद्रपुर, गढ़चिरौली, गोंदिया, नागपुर और वर्धा

६) पुणे क्षेत्र : कोल्हापुर, पुणे, सांगली, सतारा और शोलापुर।

महाराष्ट्र में अर्थव्यवस्था - महाराष्ट्र भारत की अर्थव्यवस्था में एक प्रमुख स्थान रखता है। भारत की इस वाणिज्यिक राजधानी मुम्बई में देश के सभी प्रमुख औद्योगिक/कॉर्पोरेट घरानों की उपस्थिति है। महाराष्ट्र तिलहन के अलावा मूँगफली, सूरजमुखी, सोयाबीन आदि के साथ कपास, गन्ना, हल्दी और सब्जी जैसी फसलें पैदा करता है। बागवानी-खेती का भी यहाँ विशाल क्षेत्र है।

महाराष्ट्र संबंधी जानकारी - महाराष्ट्र राज्य का दर्शकों के मन और आत्मा पर बड़ा प्रभाव पड़ता है। अन्य स्थलों में औरंगाबाद, खंडाला, लोनावाला, महाबलेश्वर, माथेरान, मुम्बई, नासिक, पुणे, संजय गांधी नेशनल पार्क, शिरडी, गणपति पुले, कारला गुफाएं आदि दर्शनीय व महत्वपूर्ण स्थान हैं।

महाराष्ट्र की नदियाँ : अरब सागर में कई छोटी नदियों के स्रोत हैं। तापी, नर्मदा व वाण गंगा आदि नदियाँ है, इन सबका प्रवाह बंगाल की दिशा में है।

महाराष्ट्र में शिक्षा - महाराष्ट्र अपने उच्च शिक्षण संस्थानों के लिए जाना जाता है। मुम्बई किसी भी क्षेत्र में बेहतर शिक्षा के लिए सबसे अच्छी जगह है। मुम्बई के अलावा ठाणे जैसे अन्य स्थानों- नासिक, पुणे, अहमदनगर, नागपुर, औरंगाबाद, सांगली, उस्मानाबाद, वसई, जलगांव, डोम्बिवली, कोल्हापुर और कराड आदि जिलों में प्रसिद्ध संस्थान हैं। महाराष्ट्र में स्कूल या तो नगर निगम द्वारा या निजी ट्रस्टों और व्यक्तियों द्वारा चलाए जा रहे हैं। सभी निजी स्कूलों के अलावा महाराष्ट्र राज्य एसएससी बोर्ड या माध्यमिक शिक्षा (आईसीएसई) और सीबीएसई बोर्ड अखिल भारतीय प्रमाणपत्र के साथ संबद्ध हैं।

राज्य इंजीनियरिंग, मेडिकल, प्रबंधन और अन्य व्यावसायिक पाठ्यक्रम जैसे क्षेत्रों के लिए भी बहुत ही अच्छा है। उपरोक्त क्षेत्रों के लिए संस्थानों की बड़ी संख्या हैं। महाराष्ट्र राज्य में ३१ जिलों में ३९ विश्वविद्यालय हैं।

महाराष्ट्र विशेष - कई मायनों में महाराष्ट्र की संस्कृति भी अपने स्थानीय भोजन में परिलक्षित होती है। ज्यादातर लोग महाराष्ट्रीय व्यंजनों से बहुत परिचित नहीं हैं। एक बड़े और रोचक पाक प्रदर्शनी की सूची यहाँ मौजूद हैं। महाराष्ट्रीय भोजन में कोंकणी और वराडी दोनों प्रचलित है। नारियल तेल व्यापक रुप से खाना पकाने के लिए उपयोग में लाया जाता है। मूंगफली तेल का उपयोग मुख्यरुप से खाना पकाने के उपयोग में किया जाता है। कोकम का एक मनभावन मीठा और खट्टा स्वाद होता है। एक गहरे बैंगनी बेर का इसमें इस्तेमाल होता है। क्षुधावर्धक-पाचक के रुप में कोकम का इस्तेमाल होता है। ठंडा परोसा जाता है। पसंद करते हैं। यहाँ मछुआरों के समाज को 'कोली' कहा जाता है। मछलियों का व्यवसाय ही उनकी आजीविका है। महाराष्ट्र में मजबूत ब्राह्मण प्रभाव भी है, यहाँ संस्कृत शिक्षा के केंद्र भी हैं।

महाराष्ट्र के जालना जिले के तहसील

बदनापुर- 'बदनापुर' महाराष्ट्र के जालना जिले की एक प्रमुख तहसील और कस्बा है।'बदनापुर' तालुका के अंतर्गत कुल ९१ गांव आते हैं। बदनापुर में एक रेलवे स्टेशन है जो मनमाड - औरंगाबाद - हैदराबाद रेल मार्ग पर स्थित है

भोकरदन

'भोकरदन' महाराष्ट्र के 'जालना' जिले का एक ऐतिहासिक शहर और तहसील मुख्यालय है, यह शहर केळना नदी के तट पर स्थित है और अपने प्राचीन इतिहास के लिए जाना जाता है।

जाफराबाद

'जाफराबाद' महाराष्ट्र के जालना जिले में स्थित एक प्रमुख तालुका (Tehsil) और शहर है, यह क्षेत्र अपने ऐतिहासिक और प्रशासनिक महत्व के लिए जाना जाता है।

मंठा

'मंठा' महाराष्ट्र के जालना जिले का एक प्रमुख शहर और तहसील मुख्यालय है, यह जालना-जिंतूर रोड पर स्थित है और अपने कृषि व्यापार के लिए जाना जाता है।

परतूर

'परतूर' महाराष्ट्र के जालना जिले का एक प्रमुख शहर और तहसील मुख्यालय है, यह शहर दुधना नदी के तट पर स्थित है और ऐतिहासिक रूप से भी महत्वपूर्ण माना जाता है, इसे पुराने समय में 'प्रह्लादपुर' के नाम से जाना जाता था।

घनसावंगी

'घनसावंगी' महाराष्ट्र के जालना जिले में स्थित एक शहर और तहसील (तालुका) मुख्यालय है, यह जिला मुख्यालय जालना से लगभग ६० किलोमीटर की दूरी पर स्थित है।

अंबड- 'अंबड' महाराष्ट्र के जालना जिले में स्थित एक महत्वपूर्ण ऐतिहासिक और प्रशासनिक शहर है, यह अपनी धार्मिक विरासत और व्यापारिक गतिविधियों के लिए जाना जाता है, यहाँ का सबसे प्रसिद्ध आकर्षण मत्स्योदरी देवी मंदिर है। यह जालना शहर से लगभग २८-३० किमी की दूरी पर स्थित है। यह शहर प्राचीन काल से अस्तित्व में है और देवी अहिल्याबाई होल्कर के समय के कुछ निर्माणों के लिए भी पहचाना जाता है।

तन-मन की शांति के लिए इक्षु (गन्ना)रसपान का आयोजन

-मैं भारत हूं फाउंडेशन

मुंबई: १८ अप्रैल २०२६ 'आखा तीज' के पूर्व दिवस पर 'मैं भारत हूं फाउंडेशन' परिवार द्वारा इक्षु (गन्ना) रसपान का आयोजन मुंबई स्थित अंधेरी, मरोल के हिंद सौराष्ट्र इंडस्ट्रीज में स्थापित 'मैं भारत हूं फाउंडेशन' के राष्ट्रीय कार्यालय के प्रांगण में आयोजन किया गया, रसपान करने वाले उपस्थित सभी भारतीयों ने जय गौमाता! 'जय भारत' के नारे भी लगाए।

-मैं भारत हूं

ऐतिहासिक स्थलों और आध्यात्मिक महत्व के लिए
प्रसिद्ध जालना के इतिहास प्रकाशन पर
हार्दिक शुभकामनाएं

Sanjay Agrawal
Mob: 9823088673
Director

ESSEM GASES PVT. LTD.

C-20, Addl. MIDC Area, Jalna, Maharashtra,
Bharat- 431 203 Tel.: (02482) (F) 220070,
E-mail: essemgas@gmail.com

पुणे में आयोजित भव्यातिभव्य आपणों
राजस्थान कार्यक्रम की
अभूतपूर्व सफलता के लिए बधाईयां

Dinanath Pasari
Mob. : 9830018193
Narayani Sons India Pvt. Ltd.

Station Road, Mu.Po. Barbil, Dist. Kendujhar,
Odisha, Bharat- 758035
Ph. : 06767- 275235/276833

209, A J C Bose Road, Karnani Estate, 5Th Floor, R.N. 201
Kolkata, West Bengal, Bharat -700 017 Ph.: 033- 22836942

With Best Compliments

GURU RAJENDRA METALLOYS INDIA PVT LTD

G R METALLOYS PVT LTD

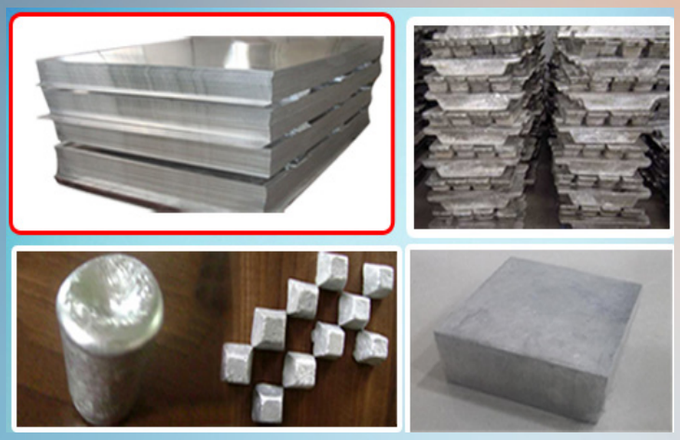

SHAH BABULAL DHANRAJJI JAIN

JAYANT BABULAL JAIN

SHAILESH BABULAL JAIN

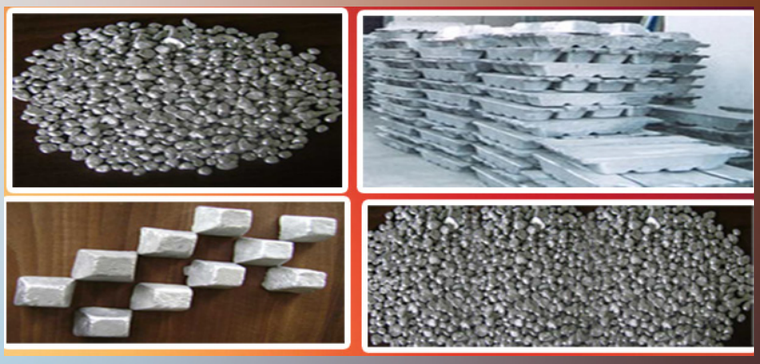

Manufactures of Aluminium Alloy Ingot, Aluminium Ingot, Aluminium Notch bar, Aluminium Shots, Aluminium Cubes

8, Gautam Vihar Society, Opp. Sukhsagar Complex, Aroma School Road, Ashram Road, Usmanpura, Ahmedabad, Gujarat , Bharat– 380 013.

सम्पादक-बिजय कुमार जैन

जिनागम

धर्म-परिवार-समाज-व्यवसाय का समन्वय

समस्त जैन समाज को एकजुट करने वाली एकमात्र पत्रिका

हम सब जैन हैं

विशेष छूट
विज्ञापन देने पर
पूरे साल
पत्रिका मुफ्त

जैन समाज एकत्र हो यह है हमारा नारा
इसके लिए चाहिए मात्र आप ही का सहारा

वार्षिक शुल्क
२१००/-

मात्र रु. १५०/- में, प्रति महिना

पंजीकृत कार्यालय

गेलॉर्ड पब्लिकेशन्स प्रा.लि.

बी-२१७, हिंद सौराष्ट्र इंडस्ट्रियल इस्टेट, मरोल, अंधेरी पूर्व, मुम्बई, महाराष्ट्र, भारत -४०० ०५९

दूरध्वनिः ०२२-४०१५ ८०९४ अणुडाकः mailgaylordgroup@gmail.com अन्तरताना : www.jinagam.co.in

अहिंसा
परस्परोपग्रहो जीवानाम

Postal Registration Number - MCN/294/2024-2026
WPP License No. MR/Tech/WPP-354/North/2024-26
Published on 19th April 2026 & Posting on 20th of Every Month
Posted at Marol Bazar Post Office, Mumbai - 400 059.

भारत को 'भारत' ही बोलें इंडिया नहीं

पहले मातृभाषा फिर राष्ट्रभाषा

१६ वें वर्ष में प्रवेश

मैं भारत हूँ

भारतीय सांस्कृतिक, सामाजिक, राजनैतिक, ऐतिहासिक भावना को प्रेरित करती पत्रिका

राष्ट्रमाता बनें
निवेदक: मैं भारत हूँ फाउंडेशन

मैं भारत हूँ फाउंडेशन
भारत को 'भारत' ही बोला जाए
www.mainbharathun.co.in

अभी तक भारत के शहरों के इतिहास बताते हुए प्रकाशित विशेषांक...

विशेष छूट

विज्ञापन प्रकाशन करने पर
पूरे साल
मैं भारत हूँ
पत्रिका मुफ्त

भारत का इतिहास पहुँचाए आपके हाथ

आप चाहें तो प्रस्तुत विशेषांक
आपके घर-कार्यालय की
शोभा व ज्ञान बढ़ाने के लिए मंगवा सकते हैं

आपके हाथों में

विशेषांक मंगवाने के लिए संपर्क करें
(समय १ दोपहर से संध्या ५.०० बजे तक)

ज्योति
9820873689

मात्र ₹ १२००/-में
प्रति महिना, पूरे वर्ष तक
(आपके द्वार)

पंजीकृत कार्यालय
बी-२१७, हिंद सौराष्ट्र इंडस्ट्रियल इस्टेट, मरोल, अंधेरी पूर्व, मुम्बई, महाराष्ट्र, भारत -४०० ०५९.
दूरभाष- ०२२-४०१५ ८०९४
अणु डाक: mailgaylordgroup@gmail.com अन्तरताना: www.mainbharathun.co.in

सम्पादक
बिजय कुमार जैन

उपसम्पादक
संतोष जैन 'विमल'

कार्यकारी सम्पादक
अनुपमा शर्मा (दाधीच)

भारतीय भाषा अपनाओ अभियान भारत की बनें राष्ट्रभाषा ये है हमारा आव्हान
Remove India Name From the Constitution

नीम लगायें पर्यावरण बचाये
India को भारतीय संविधान से विलुप्त किया जाए

गेलार्ड पब्लिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड व संपादक, मुद्रक व प्रकाशक बिजय कुमार जैन, बी-217, हिंद सौराष्ट्र इंडस्ट्रियल इस्टेट, मरोल, अंधेरी पूर्व, मुम्बई, महाराष्ट्र, भारत-400 059 से मुद्रित करवा कर बी-२१७, हिंद सौराष्ट्र इंडस्ट्रियल इस्टेट, मरोल, अंधेरी पूर्व, मुम्बई, महाराष्ट्र, भारत- 400 059 से प्रकाशित किया गया, टेलीफैक्स-०२२-४०१५८०९४, अणुडाक-mailgaylordgroup@gmail.com, अन्तरताना - www.mainbharathun.co.in,
द्वारा विनय ग्राफिक्स, युनिट नं 13, रवी इन्ड. को.-ऑप. सोसाइटी लि., 25 महल इन्ड ईस्टेट, महाकाली केव्हज रोड, अंधेरी पूर्व, मुम्बई, महाराष्ट्र, भारत-400093 से मुद्रित करवाकर प्रकाशित किया गया।
RNI No. MAHHIN/2010/48574